मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख कृष्ण 8 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 205 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ आखिर युद्ध से मिला क्या?

फिर खतरे में अक्षय की हेरा-फेरी 3 6

लगातार तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हरिवंश नारायण सिंह

नई दिल्लीः जनता दल (यूनाइटेड) नेता हरिवंश नारायण सिंह एक बार फिर से राज्यसभा सांसद बन चुके हैं। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा का नामित सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। इस बार जदयू की ओर से हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा चुनाव में मौका नहीं दिया गया था।

हालांकि, हरिवंश का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अब उन्हें दोबारा नामित सदस्य के रूप में राज्यसभा भेज दिया गया है। हरिवंश का उच्च सदन के सदस्य के रूप में कार्यकाल नौ अप्रैल को समाप्त हो गया।

पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई की जगह मिला मौकाः भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की सेवानिवृत्ति के बाद राज्यसभा की

सीट रिक्त होने पर उन्हें राज्यसभा सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। 69 वर्षीय हरिवंश बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा के सदस्य के रूप में अपने दो कार्यकाल पूरे कर चुके हैं। वे उच्च सदन के उपसभापति के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

नियुक्ति पर जारी हुई अधिसूचनाः सरकार की एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 80 के खंड (1) के उपखंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसी अनुच्छेद के खंड (3) के साथ पढ़ा जाए, तो राष्ट्रपति मनोनीत सदस्यों में से एक की सेवानिवृत्ति के कारण हुई रिक्ति को भरने के लिए हरिवंश नारायण सिंह को राज्य परिषद में मनोनीत करने की कृपा करती हैं।

राजनीति और पत्रकारिता के प्रमुख नामः भारतीय राजनीति और पत्रकारिता के एक प्रमुख नाम हैं, जिन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका जन्म 30 जून 1956 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों में गहरी रुचि विकसित की।

जदयू से बने थे पहली बार राज्यसभा सांसदः हरिवंश नारायण सिंह ने अपने करियर की शुरूआत पत्रकारिता से की। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में काम करते हुए अपनी पहचान एक गंभीर और निष्पक्ष पत्रकार के रूप में बनाई। पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा। वे जनता दल (यूनाइटेड) से जुड़े और राज्यसभा के सदस्य बने।

राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष दोनों से मधुर संबंधः साल 2018 में हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा का उपसभापति चुना गया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने सदन की कार्यवाही को संतुलित और गरिमापूर्ण ढंग से संचालित करने का प्रयास किया। वे विभिन्न दलों के बीच संवाद बनाए रखने और संसदीय परंपराओं को मजबूत करने के लिए जाने जाते हैं।

जाति जनगणना रोकने की मांग वाली याचिका खारिज कर बोले सीजेआई-

'ऐसी अभद्र भाषा कहां से लाते हैं?'

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार यानी आज सीजेआई सूर्यकांत ने एक याचिककर्ता को कड़े शब्दों में फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार को जाति जनगणना रोकने, संसाधनों के पुनर्वितरण को जनसंख्या उत्तरदायित्व से जोड़ने और एक बच्चे वाले परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करने वाली नीतियां बनाने का निर्देश देने वाली याचिका लगाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से कहा, "आप इस याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा कहां से सीखते हैं? ये बदतमीजी की भाषा कहां से लेकर आते हैं आप लोग? आप लोग याचिका कैसे लिखते हैं?"

'याचिका में अभद्र भाषा लिखी है' : अदालत ने जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की आलोचना की। सीजेआई सूर्यकांत ने व्यक्तिगत रूप से पेश हुए याचिकाकर्ता से कहा, आपने अपनी याचिका में बदतमीजी की भाषा लिखी है। आपने अपनी याचिका में अभद्र भाषा लिखी है। आपकी याचिका किसने लिखी है?" इससे पहले दो फरवरी को शीर्ष अदालत ने 2027 की आम जनगणना में नागरिकों के जातिगत आंकड़ों को दर्ज करने, वगीर्कृत करने और सत्यापित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाली एक अलग जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था।

2027 की जनगणना, जो आधिकारिक तौर पर 16वीं राष्ट्रीय जनगणना है, 1931 के बाद पहली बार व्यापक जाति गणना को शामिल करने वाली और देश की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना होगी।

दुमका में पिकअप वैन और बाइक की टक्कर में दो युवकों की दर्दनाक मौत

दुमकाः जिले के गोपीकांदर थाना क्षेत्र में दुगार्पुर गांव के समीप पिकअप वैन और बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौके की दर्दनाक मौत हो गई और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतकों में एक की पहचान कुंडापहाड़ी गांव निवासी पतरास मुर्मू के रूप में हुई है, जबकि दूसरा युवक की पहचान नहीं हो सकी है जो निकट के मधुबन गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। वहीं एक अन्य घायल युवक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि एक मोटर साइकिल पर सवार तीन युवक आमडापाड़ा से घर लौट रहे थे। इस बीच पिकअप वैन ने बाइक में टक्कर मार दी। घटना से नाराज मृतकों के परिजनों ने सड़क जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

मामले की जांच शुरूः घटना की सूचना मिलते ही गोपीकांदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया और घायल युवक को तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस ने पिकअप वैन को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बने राज्यसभा के सदस्य ली शपथ, उच्च सदन से शुरू की नई पारी

नई दिल्लीः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सांसद बन गए हैं। आज उन्होंने राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण किया। शपथ ग्रहण के दौरान बीजेपी और जेडीयू के कई बड़े नेता मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक, अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज ही पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी कर सकते हैं।

चारों सदन का सदस्य बनने का रिकॉर्डः लोकसभा, विधानसभा, विधान परिषद के बाद अब सीएम नीतीश कुमार राज्यसभा में अपनी भूमिका निभायेंगे। इसी के साथ नीतीश कुमार ने चारों सदन का सदस्य बनने का रिकॉर्ड बना दिया है। पहली बार सीएम नीतीश राज्यसभा पहुंचे हैं। राज्यसभा का सदस्य बनने के बाद अब जल्द ही नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। ऐसे में बिहार के अगले सीएम को लेकर चर्चा तेज है।

दिल्ली पहुंचने पर सीएम नीतीश ने क्या कहा था? : शपथ ग्रहण के सिलसिले में सीएम नीतीश गुरुवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा था, हमने तय कर लिया है, जिसके बारे में आप सभी को पहले ही बता दिया है। पिछले 20 साल से बिहार में काम कर रहे हैं। अब दिल्ली में ही रहकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि वहां का सबकुछ छोड़कर अब यहीं रहेंगे।

इतना ही नहीं, जब उनसे बिहार के मुख्यमंत्री पद और वहां की जिम्मेदारियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वे तीन-चार दिन के बाद वापस जायेंगे और सब कुछ व्यवस्थित कर देंगे। नये लोग देखेंगे। इस तरह से बिहार के नए सीएम को लेकर एनडीए क्या फैसला लेती है, इसका इंतजार किया जा रहा है।

बीजेपी की बैठक में सीएम पर चर्चाःआज ही दिल्ली में बीजेपी की कोर कमेटी की बैठक होगी। इस हाई लेवल बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और अन्य कोर ग्रुप के सदस्य मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, बैठक का मुख्य एजेंडा बिहार में नई सरकार के गठन और संभावित सीएम के नाम पर चर्चा करना बताया जा रहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा ने दिया इस्तीफा, जले हुए नोटों के विवाद से चर्चा में आये थे

दिल्ली वाले घर में मिले थे भारी मात्रा में जले हुए नोट

प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट में तैनात जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। उनके दिल्ली वाले घर में भारी मात्रा में जले हुए नोट मिलने के मामले में उनके खिलाफ आंतरिक जांच चल रही थी। साथ ही महाभियोग की भी चर्चा थी। इसी बीच उन्होंने पद से त्याग पत्र दे दिया है। दिल्ली वाले घर में जले हुए कैश मिलने के बाद उनका स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट में कर दिया गया था। पांच अप्रैल 2025 को उन्होंने शपथ ग्रहण किया था। न्यायिक कार्य से उनको फिलहाल अलग किया गया था। उनके खिलाफ महाभियोग लाने के मामले में कमेटी का गठन किया गया है। कई सांसदों ने संसद में जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए नोटिस दिया था। फिलहाल जस्टिस वर्मा के खिलाफ आतंरित जांच कमेटी जांच कर रही है।

अत्यंत पीड़ा के साथ दे रहा हूं इस्तीफाः राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू को दिए गए त्यागपत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा ने लिखा है- यद्यपि मैं आपके आदरणीय कार्यालय को उन कारणों से विवश नहीं करना चाहता, जिनके कारण मुझे यह पत्र प्रस्तुत करना पड़ रहा है। फिर भी अत्यंत पीड़ा के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से अपना त्यागपत्र दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है।

दर्दनाक सड़क हादसा : एनएच-30 पर दो कारों में जबरदस्त टक्कर

एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत,3 गंभीर

नई दिल्ली : छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा कोतवाली थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 30 पर दो कारों की आमने-सामने टक्कर के कारण हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक कार में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि मृतक कांकेर के उड़कुड़ा गांव के निवासी थे। वे चीवरांज में एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे, तभी नाथिया नवागांव के पास यह हादसा हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही कांकेर के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है और 3 अन्य घायल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मृतकों की पहचान सहित अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ी हलचल

ओवैसी ने हुमायूं कबीर की पार्टी से तोड़ा गठबंधन, अब अकेले लड़ेगी चुनाव

हुमायूं कबीर के स्टिंग वीडियो का बड़ा असर,बीजेपी कनेक्शन का आरोप

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनाव से ठीक पहले हलचल तेज हो गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने बड़ा फैसला लेते हुए हुमायूं कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया है। अब पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह बंगाल में किसी भी दल के साथ मिलकर नहीं, बल्कि अकेले चुनाव लड़ेगी।

एआईएमआईएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए साफ कहा, हुमायूं कबीर के खुलासों से यह जाहिर हो गया है कि बंगाल के मुसलमान कितने कमजोर हैं।

एआईएमआईएम ऐसे किसी भी बयान से खुद को नहीं जोड़ सकती, जिससे मुसलमानों की गरिमा पर सवाल उठे। आज की तारीख में, एआईएमआईएम ने कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन तोड़ लिया है। बंगाल के मुसलमान सबसे गरीब, उपेक्षित और शोषित समुदायों में से एक हैं। दशकों तक धर्मनिरपेक्ष शासन रहने के बावजूद, उनके लिए कुछ भी नहीं किया गया है। किसी भी राज्य में चुनाव लड़ने के पीछे एआईएमआईएम की नीति यह है कि हाशिए पर पड़े समुदायों की अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक आवाज हो। हम बंगाल चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेंगे और आगे किसी भी पार्टी के साथ हमारा कोई गठबंधन नहीं होगा।

दरअसल, पूरा मामला एक कथित वीडियो के सामने आने के बाद शुरू हुआ। इस वीडियो में हुमायूं कबीर को कथित तौर पर भाजपा नेताओं के साथ बैठकर ममता बनर्जी को हराने की रणनीति बनाते हुए दिखाया गया है। यह वीडियो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जारी किया, जिसके बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया। टीएमसी का आरोप है कि हुमायूं कबीर भाजपा के बड़े नेताओं, जैसे सुवेंदु अधिकारी और हिमंत बिस्वा सरमा के संपर्क में थे। इतना ही नहीं, पार्टी ने दावा किया कि ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये की बड़ी डील हुई है, जिसमें से 200 करोड़ रुपये एडवांस भी दिए जा चुके हैं। टीएमसी ने इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी से कराने की मांग की है।

दूसरी तरफ, हुमायूं कबीर ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह असली नहीं है, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाया गया है। उन्होंने इसे अपनी छवि खराब करने की साजिश बताया और कहा कि वह इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। वहीं भाजपा ने भी इन आरोपों को गलत बताया है। पार्टी का कहना है कि टीएमसी चुनाव में हार के डर से इस तरह के झूठे आरोप लगा रही है और माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है।

उच्च न्यायालय से जुड़े मामलों की समीक्षा, उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

खूंटी: उच्च न्यायालय में दायर वाद, अवमानना वाद एवं जनहित याचिका से संबंधित लंबित मामलों को लेकर उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने एक-एक कर सभी लंबित वादों की प्रगति रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि न्यायालयीन प्रक्रियाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

समीक्षा के दौरान पुलिस विभाग, भू-अर्जन, विद्युत, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल से जुड़े मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया।

बैठक में एसडीपीओ खूँटी, डीएसपी मुख्यालय, विधि शाखा के प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा के प्रभारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, शिक्षा विभाग एवं ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सहित अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेखौफ बालू माफिया छलनी कर रहे नदियां,प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप

चतराः इन दिनों बालू माफियाओं के लिए चतरा जिला 'स्वर्ग' बना हुआ है। सरकारी नियम फाइलों में दबे हैं और माफियाओं के ट्रैक्टर नदियों का सीना छलनी कर रहे हैं। दिन का उजाला हो या रात का अंधेरा, बेखौफ माफिया सरकार के राजस्व को चूना लगा रहे हैं और नदियां अस्तित्व खो रही हैं। विडंबना देखिए कि जिस अवैध खनन ने पिछले मानसून में गांवों को डुबोया था, उसी खेल को आज प्रशासन की 'मूक सहमति' मिल रही है। आखिर क्यों चतरा का खनन विभाग और अंचल अधिकारी इन माफियाओं पर मेहरबान हैं? चतरा जिले में अवैध बालू का धंधा अब बेलगाम हो चुका है। सबसे बुरा हाल इटखोरी की मुहाने नदी, धुना घाट और टोना टांड जैसी नदियों से चौबीसों घंटे बालू का उठाव जारी है। यह वही इटखोरी है, जहाँ पिछली बरसात में पीतीज गांव के घर और अनाज बालू के अवैध कटाव के कारण आई बाढ़ में बह गए थे। तब अंचल अधिकारी ने खुद माना था कि अवैध खनन ही आपदा की वजह है, लेकिन आज फिर वही अधिकारी और पुलिस प्रशासन खुली आंखों से तमाशा देख रहे हैं।लेकिन अब माफियाओं की इस गुंडागर्दी के खिलाफ आम जनता सड़क पर उतर आई है। नक्सल प्रभावित लावालौंग प्रखंड के कल्याणपुर चौक पर मंगलवार की शाम हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। अमानत नदी से अवैध बालू लेकर जा रहे ट्रैक्टरों को जब ग्रामीणों ने रोका, तो माफियाओं ने उन्हें धमकी देनी शुरू कर दी। ग्रामीणों का साफ कहना है कि इन प्राकृतिक संसाधनों पर पहला हक स्थानीय लोगों का है, न कि उन माफियाओं का जो रातों-रात सड़कों को बर्बाद कर अपनी तिजोरियां भर रहे हैं। ग्रामीणों ने अब उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

इस मामले पर जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी चिंता जाहिर की है। चतरा विधायक जनार्दन पासवान का मानना है कि नदियों के इस अंधाधुंध दोहन से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है, बल्कि भविष्य में जल संकट और बाढ़ जैसी आपदाओं का खतरा भी बढ़ गया है। जब पत्रकारों ने इन तमाम आरोपों पर जिला खनन पदाधिकारी मनोज टोप्पो से सवाल किया, तो उन्होंने आंकड़ों की ढाल सामने रख दी। उनके मुताबिक, फरवरी 2026 तक 71 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 152 गाड़ियां जब्त हुई हैं। विभाग ने 39 लाख रुपये का जुमार्ना भी वसूला है।अधिकारी का दावा है कि 22 बालू घाटों की 45 करोड़ रुपये में नीलामी हो चुकी है, जो तकनीकी कारणों से रुकी हुई है। लेकिन सवाल यह है कि अगर टास्क फोर्स सक्रिय है, तो फिर सैकड़ों ट्रैक्टर हर रात नदियों से बालू कैसे निकाल रहे हैं?आंकड़े और हकीकत के बीच की यह खाई चतरा में भ्रष्टाचार की कहानी बयां कर रही है। एक तरफ राजस्व का नुकसान है, तो दूसरी तरफ पर्यावरण की तबाही। अगर समय रहते प्रशासन ने 'मैनेजमेंट' के खेल को बंद कर माफियाओं पर नकेल नहीं कसी, तो आने वाली बरसात चतरा के लिए फिर से कोई बड़ी आपदा लेकर आ सकती है। नदियों की रेत माफियाओं की जेब तो भर रही है, लेकिन चतरा के भविष्य को रेत की तरह बिखेर रही है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इन 'मेहरबानियों' को कब खत्म करता है।

अवैध देशी कट्टा के साथ प्रेमिका से मिलना प्रेमी को पड़ा महंगा

चतराः जिले के हंटरगंज थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा, जिंदा कारतूस बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अकलू गंझू के पुत्र गुड्डू कुमार उर्फ भविष्य कुमार कुंदा थाना क्षेत्र के लेवाड गांव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बुधवार को गिरफ्तार युवक हंटरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में देशी कट्टा के साथ प्रेमी से मिलने पहुंचा था।इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली। जिसके बाद हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने सूचना को सत्यापन करते हुए पुलिस कप्तान को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस गश्ती पर निकली। गश्ती गाड़ी को देखकर आरोपी युवक भागने लगा। हालांकि पुलिस ने उसे खदेड़ कर पकड़ लिया।पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़कर जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।वहीं, देसी कट्टा, जिंदा कारतूस और टाटा इंडिगो वाहन रजिस्ट्रेशन संख्या बीआर 02 क्यू 3666 एंड्राइड मोबाइल को जब्त कर पुलिस ने युवक को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। फिलहाल, पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस मामला में वादी के लिखित आवेदन के आधार पर हंटरगंज थाना कांड संख्या 44/26 धारा-352/351(2) बीएनएस & 25(1-इ)/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिक दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। छापामारी दल में थाना प्रभारी प्रभात कुमार के साथ सब इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम अग्निहोत्री,सुनील कुमार दुबे सहित थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

जनगणना के प्रथम चरण को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र शुरू

संवाददाता

खूंटीः उपायुक्त-सह-प्रधान जनगणना पदाधिकारी आर रॉनिटा के निदेर्शानुसार भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकानसूचिकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) कार्य के सफल संचालन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आज शुभारंभ किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी चार्ज पदाधिकारी एवं नामित फील्ड ट्रेनर्स ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को जनगणना के प्रथम चरण से जुड़ी प्रक्रियाओं, कार्यप्रणाली एवं प्रपत्रों की विस्तृत जानकारी देना है, ताकि कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित तरीके से पूरा किया जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर (जनगणना)-सह-अंचल अधिकारी मुरहू, शंकर विद्यार्थी ने प्रतिभागियों को तकनीकी एवं प्रायोगिक पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी और आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। उन्होंने बताया कि सही डेटा संग्रहण जनगणना की सफलता की कुंजी है, इसलिए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता और सटीकता बेहद आवश्यक है।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री परमेश्वर मुण्डा, सांख्यकीय अन्वेषक ग्रेड-।।(जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड) प्रवीण कुमार सिन्हा, जिला सांख्यकीय पदाधिकारी निर्मल सिंह बानरा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले कर्मियों को सशक्त बनाने और जनगणना 2027 के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

युवा कांग्रेस खूंटी की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, निष्क्रिय पदाधिकारियों पर होगी कार्रवाई।

झारखंड युवा कांग्रेस, जिला खूंटी की एक महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक गुरुवार को सांसद काली चरण मुंडा के आवासीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष द्वारा की गई, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने एवं पदाधिकारियों की सक्रियता की समीक्षा पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक के दौरान यह सामने आया कि जिला युवा कांग्रेस के कुछ नव-निर्वाचित पदाधिकारी लगातार बैठकों से अनुपस्थित रह रहे हैं और संगठनात्मक गतिविधियों में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ऐसे निष्क्रिय पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि संगठन को सशक्त बनाने के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय, कर्मठ एवं समर्पित कार्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिल सके।

बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुशासन एवं जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, जिला उपाध्यक्ष, सचिवगण एवं बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चोरी कांड का खुलासा, पुलिस ने दो आरोपी को कुछ ही घंटों में किया गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटीः कचहरी परिसर में दो दिन पूर्व रात के समय हुई चोरी की घटना का खूंटी पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए मामले में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान 22 वर्षीय नितिन नायक और 22 वर्षीय विक्रम नायक के रूप में हुई है, दोनों बड़ाईक टोली खूंटी के रहने वाला है।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक हथौड़ी, एक रॉड, एक पैकेट मौजा, दो ब्लूटूथ स्पीकर तथा 2069 रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी सामान चोरी की घटना से जुड़े हुए हैं। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की रात खूंटी कचहरी परिसर स्थित सुधीर जेरॉक्स, कुंडू जेरॉक्स और संजय जेरॉक्स नामक दुकानों का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। चोरों ने कुल चार दुकानों को निशाना बनाया, जिनमें से तीन दुकानों में चोरी सफलतापूर्वक की गई, जबकि एक दुकान में केवल ताला तोड़ा गया था। घटना के बाद खूंटी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए महज कुछ घंटों के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि चोरी के दौरान इस्तेमाल किए गए हथौड़ा और साबल के साथ-साथ चोरी की रकम और अन्य सामान भी बरामद कर लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि जब दोनों आरोपी इस नई चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे, उसी समय पुलिस पहले से दर्ज एक अन्य चोरी के मामले में उनके घर जांच के लिए गई हुई थी। इसी बीच दोनों आरोपियों ने कचहरी परिसर में चोरी की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है। हाल के दिनों में इन पर नेताजी चौक स्थित जनत ज्वेलर्स में चोरी, साहू तालाब के सामने सेकेंड हैंड बाइक शोरूम से बाइक चोरी, तमार रोड बस स्टैंड स्थित दारू दुकान से नगदी चोरी तथा कई घरों में घुसकर चोरी करने के आरोप भी लगे हैं। इस मामले में गठित छापामारी दल में वरुण रजक (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खूंटी), अशोक कुमार सिंह (पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, खूंटी), पुलिस अवर निरीक्षक चंदन कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रंजीत लकड़ा तथा खूंटी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

निशा उरांव का पुतला दहन, आदिवासी समन्वय समिति ने जताया विरोध

संवाददाता

खूंटी: आदिवासी समन्वय समिति, खूंटी जिला समिति के तत्वावधान में गुरुवार को भगत सिंह चौक, खूंटी में निशा उरांव का पुतला दहन किया गया। यह कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रभात मुंडा के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

समिति के अनुसार, 8 अप्रैल को निशा उरांव द्वारा उलगुलान की धरती खूंटी में सामाजिक डीलिस्टिंग, परम्परागत ग्राम सभा व्यवस्था तथा संयुक्त पड़हा समिति को अवैध बताने वाले बयान के विरोध में यह कार्यक्रम किया गया। मौके पर मीडिया को संबोधित करते हुए चन्द्र प्रभात मुंडा ने कहा कि खूंटी केवल उलगुलान की धरती ही नहीं, बल्कि यहां खूटकट्टी व्यवस्था भी प्राचीन काल से कायम है। उन्होंने कहा कि गांव बसने के समय से ही यहां रूढ़िगत और परम्परागत सामाजिक व्यवस्था संचालित होती रही है, जिसका उल्लेख गांवों के विलेज नोट्स में भी दर्ज है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के संविधान ने इस परम्परागत व्यवस्था को केवल कानूनी मान्यता प्रदान की है। तब से लेकर आज तक आदिवासी-मूलवासी समाज के लोग सह-अस्तित्व और आपसी सहयोग के साथ रहते आए हैं। अलग-अलग आध्यात्मिक विचारधाराओं के बावजूद आदिवासी, मूलवासी, सरना और ईसाई समुदायों के बीच ग्राम सभा संचालन को लेकर कभी मतभेद नहीं रहा है। बल्कि सभी ने मिलकर जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और परम्पराओं की रक्षा करने का काम किया है। समिति के सदस्य दामु मुंडा ने कहा कि निशा उरांव समाज को बांटने का प्रयास कर रही हैं और अपने समिति के लोगों को बहला-फुसलाकर भ्रम फैलाने का काम कर रही हैं, जिसे खूंटी की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। वहीं जोनसन होरो ने कहा कि निशा उरांव को मुंडा समाज को अनुशासन सिखाने के बजाय पहले खुद आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपने बयानों से खूंटी की सामाजिक समरसता को बिगाड़ने की कोशिश न करें, अन्यथा उनके खिलाफ ही उलगुलान खड़ा होगा।

वायरल वीडियो पर चतरा एसपी की बड़ी कार्रवाई

गिद्धौर थाना प्रभारी शिवा यादव समेत तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

चतराः जिले के गिद्धौर थाना में पदस्थापित थाना प्रभारी शिवा यादव समेत तीन पुलिस कर्मियों को चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने निलंबित किया है। निलंबित थाना प्रभारी और कर्मियों पर राजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में सादे लिबास में एक युवक को प्राइवेट कार में उठाने का सोशल वीडियो वायरल होने पर यह कार्रवाई की गई।

वायरल वीडियो मामले में एसपी सुमित अग्रवाल ने सख्त कदम उठाते हुए सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल की जांच रिपोर्ट के आधार पर गिद्धौर थाना प्रभारी शिवा यादव, सीसीटीएनएस ऑपरेटर दिलीप कुमार और मुंशी महेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जांच में तीनों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप सही पाए गए हैं। बताते चलें कि एक सप्ताह पूर्व राजपुर थाना क्षेत्र के बिंधानी गांव में एक ब्लू रंग की बलेनो कार से सादे लिबास में गिद्धौर थाना प्रभारी ने मुंशी और ऑपरेटर के साथ संदीप दांगी नामक युवक को जबरन गाड़ी में बैठाने का प्रयास किया था। कार्रवाई के दौरान उन्होंने कोई स्पष्ट आधिकारिक प्रक्रिया नहीं अपनाई। संदीप के परिजनों और ग्रामीणों ने इसका विरोध किया था और थाना प्रभारी के अवैध कार्रवाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल, चतरा का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु दिए सख्त निर्देश

संवाददाता

चतराः उपायुक्त कीर्तिश्री ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ सदर अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक समीक्षा की। निरीक्षण से पूर्व उन्होंने सिविल सर्जन कार्यालय स्थित सभा कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति जानी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त ने आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को इस योजना का लाभ सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत संविदा आधारित नियुक्तियों की प्रक्रिया को गति देते हुए 26 अप्रैल 2026 को लिखित परीक्षा आयोजित कर 30 अप्रैल 2026 तक नियुक्ति पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जीवन तरंगिनी एम्बुलेंस सेवा के लिए टोल फ्री नंबर प्राप्त करने हेतु बीएसएनएल के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया, ताकि आम जनता को आपातकालीन सेवाएं सुलभ हो सकें। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रतापपुर के कार्यों की समीक्षा के दौरान संस्थागत प्रसव एवं पूर्ण प्रतिरक्षण की प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की तथा अगले माह तक सुधार लाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने एचपीवी वैक्सीनेशन की संख्या बढ़ाने, टीबी उन्मूलन अभियान के तहत मयूरहंड प्रखंड में 10 दिनों का विशेष अभियान चलाने तथा ई संजीवनी टेली कंसल्टेशन की प्रगति में सुधार लाने पर बल दिया।उन्होंने निर्देश दिया कि एमटीसी (कुपोषण ट्रीटमेंट सेंटर) को उपलब्ध वाहन का उपयोग कर प्रतापपुर, इटखोरी एवं सदर क्षेत्र के सैम एवं मैम बच्चों को चिन्हित कर उपचार हेतु भर्ती कराया जाए। साथ ही पोषण सखी द्वारा चिन्हित बच्चों की स्क्रीनिंग एनएम के माध्यम से सुनिश्चित करने को कहा। फाइलेरिया उन्मूलन के तहत मॉस ड्रग एडमिस्ट्रेशन अभियान 20 अप्रैल से 5 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत जिले के 88 गांवों में 1,12,330 लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों के समन्वय से अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया।बैठक के उपरांत उपायुक्त ने सदर अस्पताल का निरीक्षण कर विभिन्न वार्डों एवं सुविधाओं का जायजा लिया तथा मरीजों से संवाद कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, सिविल सर्जन डॉ. सत्येन्द्र कुमार सिन्हा, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित, उपाधीक्षक डॉ. पंकज सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक संपन्न निष्क्रिय पदाधिकारियों पर होगी कार्रवाई

खूंटी: झारखंड युवा कांग्रेस, जिला खूंटी की एक महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक गुरुवार को सांसद काली चरण मुंडा के आवासीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष द्वारा की गई, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने एवं पदाधिकारियों की सक्रियता की समीक्षा पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक के दौरान यह सामने आया कि जिला युवा कांग्रेस के कुछ नव-निर्वाचित पदाधिकारी लगातार बैठकों से अनुपस्थित रह रहे हैं और संगठनात्मक गतिविधियों में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ऐसे निष्क्रिय पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि संगठन को सशक्त बनाने के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय, कर्मठ एवं समर्पित कार्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिल सके।

बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुशासन एवं जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, जिला उपाध्यक्ष, सचिवगण एवं बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बुलडोजर की मार से उजड़ते सपने

अतिक्रमण हटाओ अभियान बना गरीबों पर भारी

रांची (गुलाम शाहिद): राजधानी रांची के कोनका रोड रतन टाकीज के पास का वह मंजर दिल को झकझोर देने वाला था। सड़क किनारे खड़ा एक बच्चा दूर से अपने पिता की दुकान को उजड़ते हुए देख रहा था। उसकी आंखों में आंसू थे, और मन में हजारों सवाल। वह अपने पिता से स्कूल की फीस मांगने आया था, लेकिन यहां तो उसकी पूरी दुनिया ही उजड रही थी।

नगर निगम का बुलडोजर तेजी से चल रहा था। ठेले, दुकानें, रोजी-रोटी के छोटे-छोटे साधन– सब कुछ कुछ ही मिनटों में मलबे में तब्दील हो रहे थे। बच्चा अपने पिता की बेबसी सुन रहा था– ह्लमेरा ठेला छोड़ दो, मुझे अपना सामान हटाने दो। लेकिन उसकी आवाज बुलडोजर की गड़गड़ाहट में कहीं खो गई।

यह सिर्फ एक परिवार की कहानी नहीं थी। वहां खड़ा हर व्यक्ति किसी न किसी दर्द से गुजर रहा था। एक उम्रदराज व्यक्ति, जो अपनी बेटी की शादी और दवा के पैसे के लिए आया था, निराश होकर सब कुछ बिखरता देख रहा था। उसके चेहरे पर चिंता साफ झलक रही थी– अब क्या होगा?

अतिक्रमण हटाने के नाम पर चल रही इस कार्रवाई ने कई गरीब परिवारों की आजीविका छीन ली। जिन लोगों के पास पहले ही सीमित साधन थे, उनके लिए यह कार्रवाई किसी आपदा से कम नहीं थी। सवाल यह है कि क्या विकास का मतलब गरीबों को उजाड़ना है?

सरकार और प्रशासन विकास के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। क्या इन लोगों के पुनर्वास की कोई योजना है? क्या उनके जीवन को फिर से पटरी पर लाने की कोई व्यवस्था है? या फिर उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाएगा?

आज रतन टाकीज, कोनका रोड में जो हुआ, वह केवल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह कई सपनों, उम्मीदों और जिंदगी के छोटे-छोटे सहारों का अंत था।

अगर विकास की कीमत किसी की रोजी-रोटी, बच्चों की पढ़ाई और बेटियों की शादी है, तो यह विकास नहीं, विनाश है।

अब सवाल यह है–इन लोगों का भविष्य क्या होगा? क्या वे मजबूरी में गलत रास्ता अपनाएंगे या समाज और सरकार उनकी मदद के लिए आगे आएंगे? जवाब किसी के पास नहीं है, लेकिन दर्द सबके दिल में है।रांचीः राजधानी रांची से एक राहत भरी खबर सामने आई है।

बदला मौसम का मिजाज, बारिश के बाद अब तेज गर्मी का अलर्ट, 40 डिग्री तक तापमान पहुंचने की संभावना

रांचीः झारखंड में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदलता रहा है। कहीं बारिश तो कहीं आंधी-तूफान ने लोगों की परेशानी बढ़ाई है। अब मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए नया अपडेट दिया है।

40 डिग्री तक तापमान पहुंचने की संभावनाः झारखंड में आज बारिश से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। इसके बाद अगले चार दिनों में गर्मी बढ़ेगी और कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। 14 अप्रैल के बाद उमस और गर्मी और बढ़ने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में सरायकेला में सबसे ज्यादा तापमान 36.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि रांची के नामकुम में सबसे कम तापमान 14.6 डिग्री रहा। कई जगहों पर गरज के साथ बारिश हुई और रांची में कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। गोड्डा में सबसे ज्यादा 32.2 मिमी बारिश हुई।

दो दिन में तीन लोगों की मौतः बीते कुछ दिनों में आंधी, बारिश और वज्रपात से जनजीवन प्रभावित हुआ है। दो दिनों में तीन लोगों की मौत हो गई। कई जगहों पर पेड़ गिरने और फसलों को नुकसान की खबर है, खासकर सब्जी उगाने वाले किसानों को भारी नुकसान हुआ है। मौसम के कारण सब्जियों की कीमतें भी बढ़ गई हैं। पिछले एक हफ्ते में ज्यादातर सब्जियां 5 से 10 रुपये प्रति किलो महंगी हुई हैं। नींबू की कीमत सबसे ज्यादा बढ़ी है, जो 5 रुपये से बढ़कर 10 रुपये प्रति पीस हो गई है।

मौसम खराब होने पर रहें सतर्कः वज्रपात और आंधी से हुई घटनाओं में पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा में सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई। हजारीबाग में एक महिला और जमशेदपुर में एक युवक की भी मौत हुई है।

रांची सदर अस्पताल बनेगा 'सुपर स्पेशियलिटी' 200 बेड के नये विंग की तैयारी शुरू

रांचीः राजधानी रांची के सदर अस्पताल में मरीजों को अब विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम शुरू हो गया है। स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह ने गुरुवार को मुख्यमंत्री अस्पताल कायाकल्प योजना की समीक्षा बैठक के दौरान बताया कि सदर अस्पताल में 200 बेड का नया सुपर स्पेशियलिटी विंग स्थापित किया जाएगा। इसके लिए जमीन का चयन कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया जल्द आरंभ करने का निर्देश दिया गया है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य के सरकारी स्वास्थ्य ढांचे को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप ढालना और मरीजों को त्वरित इलाज उपलब्ध कराना रहा।

कैंसर मरीजों के लिए विशेष सुविधाएं और रेडिएशन बंकरः झारखंड में कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। स्वास्थ्य सचिव ने निर्देश दिया कि राज्य के सभी जिलों के सदर अस्पतालों में कैंसर मरीजों के लिए समर्पित ह्यडे-केयर यूनिटह्ल बनाई जाए। इसके साथ ही, रेडिएशन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष बंकरों का निर्माण भी किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मरीजों को राज्य से बाहर या महंगे निजी अस्पतालों में न जाना पड़े, बल्कि उन्हें अपने ही जिले में उचित चिकित्सा और देखभाल मिल सके।

आईपीएचएस मानकों के आधार पर अस्पतालों का उन्नयनः बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि सभी सदर अस्पतालों का विकास इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड के मानकों के अनुरूप किया जाएगा। इसके तहत अस्पतालों की बेड क्षमता बढ़ाई जाएगी और वहां अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। स्वास्थ्य सचिव ने बोकारो, धनबाद, सरायकेला, चाईबासा, गोड्डा और रामगढ़ के लिए पूर्व में तैयार डीपीआर में संशोधन कर उन्हें पुनः प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, धनबाद, साहिबगंज, गिरिडीह, दुमका, पाकुड़ और गढ़वा के अस्पतालों के जीर्णोद्धार प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी गई है।

मानव संसाधन विकास और नामकुम में प्रशिक्षण केंद्रः अस्पतालों के बुनियादी ढांचे के साथ-साथ कुशल मानव संसाधन पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। रांची के नामकुम में 500 प्रशिक्षुओं की क्षमता वाला एक अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की योजना पर चर्चा की गई है। स्वास्थ्य सचिव ने एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर, इमरजेंसी और गहन चिकित्सा सेवाओं में प्रशिक्षित कर्मियों की कमी पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने निर्देश दिया है कि इन सेवाओं के लिए विशेषज्ञ कर्मियों की नियुक्ति और प्रशिक्षण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए ताकि जीवन रक्षक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

राज्यपाल संतोष गंगवार से मिले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से आज लोक भवन में की शिष्टाचार मुलाकात ।

दो दिन से लापता हिमांशु मुंडा सकुशल बरामद

माता- पिता की डांट से नाराज होकर चला गया थ रामगढ़

मेट्रो रेज

रांचीः रांची पुलिस ने दो दिनों से लापता चल रहे हिमांशु मुंडा को सकुशल बरामद कर लिया है। बरामदगी के बाद पुलिस ने हिमांशु को उसके माता-पिता को थाने बुलाकर सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार, हिमांशु मुंडा अपने माता-पिता से किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद घर छोड़कर रामगढ़ की ओर चला गया था। परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी, लेकिन शुरूआती प्रयासों में उसका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था।

बताया जा रहा है कि हिमांशु मुंडा डीएवी बरियातू का छात्र है और नौवीं कक्षा में पढ़ाई करता है। वह सदर थाना क्षेत्र के दीपाटोली का रहने वाला है। पुलिस ने तकनीकी और स्थानीय स्तर पर खोजबीन कर अंततः उसे सुरक्षित ढूंढ निकाला।

इस मामले में सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि माता-पिता से झगड़े के बाद हिमांशु घर से भाग गया था। उसे डर था कि घर लौटने पर उसे डांट-फटकार या सजा मिल सकती है, इसी कारण वह वापस नहीं आ रहा था।

फिलहाल, पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिया है और परिजनों को भी बच्चों के साथ संवाद बनाए रखने की सलाह दी है, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

गैस की किल्लत से जल्द मिलेगा छुटकारा, सरकार ने गैस एजेंसियों को दिया अल्टीमेटम

संवाददाता

रांचीः झारखंड में एलपीजी गैस की आपूर्ति को लेकर उत्पन्न स्थिति पर स्वास्थ्य मंत्री और आपदा प्रबंधन और खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी गैस एजेंसियों को फटकार लगाई।

लापरवाही बरतने वाले एजेंसियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई : डॉ अंसारी स्पष्ट निर्देश दिया कि हर हाल में लंबित डिलीवरी (बैकलॉग) को तुरंत समाप्त किया जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर रांची, जमशेदपुर और धनबाद जैसे प्रमुख जिलों में इतनी बड़ी संख्या में बैकलॉग क्यों है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि 7 से 10 दिनों के भीतर पूरे राज्य में गैस आपूर्ति की स्थिति सामान्य की जाए और सभी लंबित ऑर्डर का निपटारा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही या ढिलाई बरतने वाले एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डॉ अंसारी ने अपने निर्देश में स्पष्ट किया कि रांची, जमशेदपुर और धनबाद जैसे जिलों में जहां सबसे अधिक बैकलॉग है, वहां प्राथमिकता के आधार पर लंबित डिलीवरी को तुरंत क्लियर किया जाए। साथ ही एलपीजी की उपलब्धता, मांग और लंबित डिलीवरी की लगातार समीक्षा की जाए ताकि आपूर्ति श्रृंखला सुचारू बनी रहे। यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि धार्मिक अनुष्ठान एवं शादी-विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर गैस की कोई किल्लत न हो।

राज्य में गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं : डॉ अंसारी ने सख्त चेतावनी दी कि यदि कहीं भी सड़क पर अवैध या अनियमित तरीके से सिलेंडर की डिलीवरी पाई जाती है तो संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कारवाई की जाएगी। इसके अलावा गैस की कालाबाजारी या अनावश्यक स्टॉक करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री डॉ अंसारी ने दोहराया कि 7 से 10 दिनों के भीतर पूरे राज्य में गैस की किल्लत पूरी तरह समाप्त कर दी जाएगी। मंत्री डॉ अंसारी ने स्पष्ट किया कि राज्य में गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि पैनिक न करें, सभी को समय पर डोर-स्टेप डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी और किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है।

गैस की किल्लत किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगीः डॉ अंसारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मॉनिटरिंग सिस्टम को और मजबूत किया जाए तथा हर जिले में नियमित समीक्षा कर स्थिति पर कड़ी नजर रखी जाए, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। राज्य में गैस की किल्लत किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी - हर घर तक समय पर सिलेंडर पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

कार्यालयः जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा।

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण

एतद् द्वारा फ्राई कैचिंग जाल/नेट के आपूर्तिकर्ताओं/निर्माता अथवा अधिकृत विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026-27 में मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 366, दिनांक- 17.03.2026 के आलोक में राज्य योजना अंतर्गत निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को फ्राई कैचिंग नेट की आपूर्ति किया जाना है। इस प्रयोजनार्थ इच्छुक जाल आपूर्तिकर्ताओं से जाल आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक- 28.04.2026 के अपराह्न 02:00 बजे तक निविदा जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा में स्वीकार किया जायेगा एवं दिनांक- 28.04.2026 के अपराह्न 03:00 बजे तक निविदा समिति के समक्ष उप विकास आयुक्त, सिमडेगा के कार्यालय कक्ष में खोली जाएगी। निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्तें www.simdega.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
सिमडेगा।

PR 377095 (Simdega) 26-27 (D)

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –07/2025–26

1) विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व राँची ।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय : 16.4.2026 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 17.4.2026 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 17.4.2026 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान : 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Seepage repair and Renovation , improvement of water supply and sewarage work with changing of fittings at Quarter no. LIG-R- 373/374 , LIG-R-349/350, High court colony, Harmu and Other High court quarters Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1090316.00	21900.00	2500.00	15 Days
2	Laying of UPVC pipe of different dia. with all aalieds work for gardeding from Gate no.-1 to barrack, Typist block-1 to registrar office, audotorium garden to chief justice ramp, From ramp to Gate no.-3 in the campus of Jharkhand high court, Dhurwa, Ranchi under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	1588808.00	31800.00	5000.00	15 Days
3	Special Repair and maintenance of Commercial type RO Water Treatment System and water Cooler of different models installed at Jharkhand Vidhan sabha Campus Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi.	827833.00	16600.00	1250.00	15 Days
4	Provision of UPVC Pipe for water supply with all allied others works, including of 2HP Submersible motor for the CD Type quarters from block- A to F in the campus of old Vidhan sabha campus Jharkhand, Ranchi under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	1360065.00	27300.00	2500.00	15 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० राँची पूर्व राँची

PR 377063 Drinking Water and Sanitation(26-27)#D

रांची में एक से तीन मई तक सांसद सांस्कृतिक महोत्सव व स्वदेशी मेला

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा किया जा रहा है महोत्सव का आयोजन

संवाददाता

रांचीः झारखंड के कलाकारों और स्वदेशी उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के लिए राजधानी में एक से तीन मई तक सांसद सांस्कृतिक महोत्सव व स्वदेशी मेला आयोजित किया जाएगा। इसमें झारखंड सहित देश के लोक कलाकारों का महाजुटान होगा। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए संजय सेठ ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि यह महोत्सव कला, संस्कृति और स्वदेशी का अनूठा संगम होगा।

इन वर्गों की होगी भागीदारीः इस आयोजन में रांची लोकसभा क्षेत्र के बच्चे, युवा, महिला और बुजुर्ग शामिल होंगे। राजधानी के आड्रे हाउस में होने वाले इस कार्यक्रम में लोकसभा क्षेत्र के 50 से अधिक स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्र अपनी सहभागिता निभाएंगे। संवाददाता सम्मेलन में पद्मश्री मुकुंद नायक, पद्मश्री मधु मंसूरी, नाट्य कलाकार अजय मलकानी, पूनम आनंद, मुकेश काबरा, एसडी सिंह, पवन बजाज, ऐश्वर सेठ, रमेंद्र कुमार, नीरज चौधरी मौजूद थे।

इन प्रतियोगिताओं का किया जाएगा आयोजन : महोत्सव में अलग-अलग आयु वर्ग के लिए नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। महोत्सव में अर्धशास्त्रीय, लोकगीत, देशभक्ति गीत, वेस्टर्न, फ्यूजन म्यूजिक श्रेणी में गायन प्रतियोगिता होगी। महोत्सव में रंगारंग बैंड प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

झारखंडी उत्पादों को मिलेगा बढ़ावाः रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि इस महोत्सव में रांची लोकसभा क्षेत्र के स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों को विशेष अवसर दिया जाएगा। मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इस स्वदेशी मेले में झारखंडी स्वदेशी उत्पाद, झारखंड की पारंपरिक वेशभूषा, झारखंडी खानपान और मिलेट यानी मोटा अनाज को विशेष रूप से प्रदर्शित और प्रोत्साहित किया जाएगा। स्वदेशी उत्पाद के लिए स्टॉल निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

एआई नवाचार की अगली लहर का नेतृत्व

फरवरी 2026 में अमेरिका और भारत के शोधकर्ता और विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में अमेरिका-भारत शोध सहयोग निर्माण पर कार्यशाला के लिए मोहाली में एकत्र हुए। इस कार्यक्रम की मेजबानी प्लाक्षा यूनिवर्सिटी ने अमे?रकी दूतावास नई दिल्ली के सहयोग से की थी। इसका उद्देश्य स्पष्ट थाः संवाद से आगे बढ़कर एआई अनुसंधान में स्थायी और व्यावहारिक साझेदारियां बनाना।

इस कार्यशाला ने प्रगति के साथ-साथ विकास के क्षेत्रों को भी उजागर किया। अमेरिका अग्रिम एआई अनुसंधान में अग्रणी बना हुआ है, जबकि भारत एक विशाल और कुशल प्रतिभा समूह तथा व्यापक वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है। विशेषज्ञों ने सहयोग को मजबूत करने के लिए वित्तपोषण और संस्थागत प्राथमिकताओं को और अधिक समन्वित करने के अवसरों की भी पहचान की। इन निष्कर्षों ने उन शोधकताओं के साथ गहन चचाओं के लिए आधार तैयार किया जो अमेरिका-भारत एआई पहलों को आकार दे रहे हैं। ह्लवास्तव में, अमेरिका-भारत सहयोग एआई में बहुत उच्च स्तर पर है,ह्व कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो के कंप्यूटिंग, सूचना और डेटा विज्ञान स्कूल के विशिष्ट प्रोफेसर और डीन राजेश गुप्ता कहते हैं। ह्लमैं यह इसलिए जानता हूं क्योंकि मैं भारत में छह एआई स्कूलों के निर्माण में शामिल हूं, और अमेरिका की फाउंडेशन उन्हें मदद दे रही हैं। इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के प्रोफेसर राजीव बरुआ कहते हैं कि सहयोग अधिक रणनीतिक और संस्थागत होता जा रहा है। ह्लपूरकता स्पष्ट हैः अमेरिका अग्रिम अनुसंधान और वैश्विक उत्पाद पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई प्रदान करता है, जबकि भारत व्यापक स्तर पर उत्कृष्ट प्रतिभा और विविध वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है,ह्व वह कहते हैं। ह्लसबसे बड़ा साझा अवसर विश्वसनीय, सुरक्षित और लागत-प्रभावी एआई सिस्टम बनाना है, जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपनाया जा सके। बरुआ ने कार्यशाला से तीन प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित कियाः संस्थानों के बीच सहयोग को सक्षम बनाने के लिए साझा अनुसंधान अवसंरचना का निर्माण, शिक्षा को एक प्रभाव-गुणक के रूप में उपयोग करना, और शुरूआत से ही एआई सिद्धांतों जैसे सुरक्षा, संरक्षा और मजबूती को शामिल करना। शिक्षा और प्रतिभा विकास दीर्घकालिक सहयोग की नींव बने हुए हैं। गुप्ता ऐतिहासिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर की ओर संकेत करते हैं। ह्लअमेरिकी सरकार ने आठ अमेरिकी विश्वविद्यालयों को साथ लाकर आईआईटी कानपुर के निर्माण में मदद की। उन विश्वविद्यालयों को शायद कभी पता भी नहीं था कि कानपुर कहां है, लेकिन उन्होंने संपर्क स्थापित किए,ह्व वह कहते हैं। आज, भारत के उभरते एआई संस्थान समान साझेदारियों से लाभ उठा सकते हैं। ह्लआईआईटी पलक्कड़, आईआईटी रोपड़ और आईआईटी गुवाहाटी सहित कई भारतीय संस्थानों में अब एआई पर केंद्रित स्कूल हैं। इन संस्थानों को अमेरिकी साझेदारों से जोड़ना सहयोग को तेज कर सकता है,ह्व गुप्ता कहते हैं। वह जोड़ते हैं कि सहयोग अक्सर जमीनी स्तर से शुरू होता है। ह्ललोग सोचते हैं कि सहयोग के लिए बड़ा बजट या उच्च-स्तरीय समझौता चाहिए। लेकिन वास्तव में यह जमीनी स्तर से शुरू होता है,ह्व वह समझाते हैं। ह्लयदि हाई स्कूल और ग्रेजुएट स्तर के विद्यार्थी इन नए विषयों को सीखना शुरू करते हैं, तो वे भविष्य के लिए प्रतिभा स्रोत बन जाते हैं, जैसे आईआईटी बने। बरुआ प्रतिभा पाइपलाइन और सहयोग को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक उपायों पर जोर देते हैं। ह्लद्विपक्षीय कार्यक्रम जो द्वि-राष्ट्रीय टीमों का समर्थन करते हैं और वास्तविक दुनिया पर प्रभाव डालने पर जोर देते हैं, विशेष रूप से प्रभावी होते हैं,ह्व वह समझाते हैं। ह्लसफल सहयोग में तीन विशेषताएं होती हैंः स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य, कोड, डेटा या बेंचमार्क जैसे साझा संसाधन, और सह-मार्गदर्शन, यात्राओं और नियमित कार्यशालाओं के माध्यम से निरंतर व्यक्तिगत संपर्क।ह्व

सफल साझेदारियां अमेरिका की बौद्धिक स्वतंत्रता की संस्कृति से भी लाभान्वित होती हैं, जहां व्यक्ति उम्र या डिग्री की परवाह किए बिना चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं, जिससे सीमाओं के पार नवाचार को बढ़ावा मिलता है। एआई का उदय इस सवाल को भी उठाता है कि समाज स्वायत्त प्रणालियों पर नजर कैसे रखे। गुप्ता कहते हैं कि जहां पारंपरिक मशीनें मानव निदेर्शों का पालन करती हैं, वहीं एआई प्रणालियां तेजी से स्वायत्त निर्णय लेने लगी हैं, जिससे संचालन फ्रेमवर्क आवश्यक हो जाते हैं। ह्लचूंकि मशीनें केवल भौतिक नियमों का पालन करती हैं, सामाजिक नियमों का नहीं, इसलिए हमें ऐसी संचालन व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी जो एआई का मार्गदर्शन करें,ह्व वह कहते हैं। गुप्ता इस बात पर जोर देते हैं कि मानव अनुभव से विकसित कौशल जैसे संचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और शिल्प कौशल मूल्यवान बने रहेंगे। कुछ पारंपरिक कौशल जैसे प्लंबिंग, बढ़ईगीरी और कारीगिरी भी अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं क्योंकि वे जटिल क्षमताओं पर निर्भर करते हैं, जिन्हें मशीनें अभी तक पूरी तरह से दोहरा नहीं पाई हैं। नौकरियों को समाप्त करने के बजाय, एआई उत्पादकता को बढ़ाने की संभावना रखता है। ह्लएआई सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की उत्पादकता बढ़ा सकता है। उन्हें प्रतिस्थापित करने के बजाय, यह उन्हें कई लोगों के काम करने और पूरी तरह नए उत्पाद व सेवाएं बनाने में सक्षम बना सकता है,ह्व गुप्ता बताते हैं। वह अनुमान लगाते हैं कि नवाचार की अगली लहर में चिकित्सा से लेकर डिजिटल सेवाओं तक अत्यधिक व्यक्तिगत उत्पाद शामिल होंगे। आगे देखते हुए, बरुआ आने वाले दशक में नेतृत्व के लिए तीन आधार रेखाएं बताते हैंः साझा अनुसंधान अवसंरचना, विश्वसनीय एआई के लिए साझा मानक, और मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन। गुप्ता जोड़ते हैं कि जब एआई तकनीक वर्तमान में परिपक्वता में दस में से तीन या चार के स्तर पर है, तो इसकी संभावनाएं अपार हैं। वह कहते हैं, ह्लसुविचारित नीतियों और सहयोग के साथ, आगे के अवसर अत्यंत व्यापक हैं।ह्व

आखिर युद्ध से मिला क्या?

युद्ध की शुरूआत प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मरक्षा या सम्मान की रक्षा के नाम पर होती है, लेकिन इसका परिणाम कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी होता है। युद्ध के बाद जिन्हें विजेता कहा जाता है, वे भी भीतर से कमजोर हो जाते हैं। उनकी अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है, संसाधनों की बबार्दी होती है, और सामाजिक ढांचा चरमराने लगता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, पराजित देश तो पहले से ही विनाश के मलबे तले दब जाते हैं

डॉ. सत्यवान सौरभ

निया एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहाँ शक्ति प्रदर्शन, धमकियों और सैन्य गतिविधियों के बीच मानवता की आवाज कहीं दब-सी जाती है। हालिया घटनाओं ने यह प्रश्न फिर से प्रासंगिक बना दिया है कि आखिर युद्ध से किसी को वास्तव में क्या मिलता है। क्या यह केवल ताकत का प्रदर्शन भर है, या इसके पीछे कोई स्थायी समाधान भी निहित होता है? इतिहास और अनुभव दोनों इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि युद्ध किसी समस्या का अंत नहीं करता, बल्कि वह नई समस्याओं की एक अंतहीन श्रृंखला को जन्म देता है। आज जब वैश्विक परिदृश्य में अस्थिरता बढ़ती जा रही है, तब यह प्रश्न और भी अधिक गंभीर हो उठता है।

युद्ध की शुरूआत प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मरक्षा या सम्मान की रक्षा के नाम पर होती है, लेकिन इसका परिणाम कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी होता है। युद्ध के बाद जिन्हें विजेता कहा जाता है, वे भी भीतर से कमजोर हो जाते हैं। उनकी अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है, संसाधनों की बबार्दी होती है, और सामाजिक ढांचा चरमराने लगता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, पराजित देश तो पहले से ही विनाश के मलबे तले दब जाते हैं, जहाँ पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है और पीढ़ियाँ उसकी कीमत चुकाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक क्षति आम नागरिकों को उठानी पड़ती है, जिनका न तो युद्ध में कोई प्रत्यक्ष योगदान होता है और न ही निर्णय प्रक्रिया में कोई प्रभाव। युद्ध केवल भौतिक विनाश ही नहीं लाता, बल्कि यह मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहरे घाव छोड़ता है। विस्थापन, भय, असुरक्षा और मानसिक आघात ऐसी स्थितियाँ हैं, जो युद्ध के बाद लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके जीवन की सामान्य धारा बाधित हो जाती है, और वे एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिए जाते हैं।

सभ्यता, जो हजारों वर्षों में विकसित होती है, वह कुछ ही दिनों या महीनों में बिखर सकती है।

हाल के घटनाक्रम यह भी दशार्ते हैं कि बाहरी हमले और दबाव किसी देश को कमजोर करने के बजाय उसे और अधिक संगठित तथा आक्रामक बना सकते हैं। जब किसी राष्ट्र पर लगातार दबाव डाला जाता है, तो वहाँ राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हो जाती है। लोग अपने आंतरिक मतभेद भुलाकर बाहरी खतरे के विरुद्ध एकजुट हो जाते हैं। इस प्रकार, जो रणनीति किसी देश को झुकाने के लिए अपनाई जाती है, वही उसे और अधिक सशक्त बना सकती है। यह युद्ध की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है कि वह अपने घोषित उद्देश्यों को भी कई बार पूरा नहीं कर पाता।

युद्ध का प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, व्यापार मार्ग और ऊर्जा आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र इससे सीधे प्रभावित होते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील समुद्री मार्गों पर उत्पन्न संकट पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएँ और निवेश में अनिश्चितता जैसे परिणाम वैश्विक स्तर पर दिखाई देते हैं। विकासशील देशों पर इसका प्रभाव और अधिक गंभीर होता है, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर होती है।

जब महाशक्तियाँ किसी संघर्ष में शामिल होती हैं, तो स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। उनका हस्तक्षेप केवल सैन्य स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक आयाम भी ग्रहण कर लेता है। इससे छोटे और मध्यम देशों के लिए अपनी स्थिति स्पष्ट करना कठिन हो जाता है। वे अक्सर ऐसे संतुलन की तलाश में रहते हैं, जिसमें उनके राष्ट्रीय हित सुरक्षित रहें और वे किसी बड़े टकराव का हिस्सा भी न बनें। लेकिन यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होता, क्योंकि हर निर्णय के दूरगामी परिणाम होते हैं।

पश्चिम एशिया इस प्रकार के जटिल संघर्षों का एक प्रमुख उदाहरण है, जहाँ राजनीतिक, धार्मिक और सामरिक कारणों से तनाव लगातार बना रहता है। यहाँ की परिस्थितियाँ यह संकेत देती हैं कि एक छोटी-सी चिंगारी भी व्यापक संघर्ष का रूप ले सकती है। विभिन्न देशों और संगठनों की सक्रियता ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यहाँ होने वाले किसी भी घटनाक्रम का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। ऐसे परिदृश्य में कुछ देशों ने संतुलित और परिपक्व कूटनीति का परिचय देने का प्रयास किया है। उन्होंने न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता को भी ध्यान में रखा। यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद और कूटनीति के माध्यम से भी जटिल परिस्थितियों का समाधान खोजा जा सकता है। भले ही यह प्रक्रिया धीमी और चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन यही स्थायी शांति की दिशा में सबसे विश्वसनीय मार्ग है। वर्तमान समय में युद्ध का एक और महत्वपूर्ण आयाम सूचना और प्रचार का है। अब युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मीडिया और डिजिटल मंचों पर भी लड़ा जा रहा है। सूचनाओं का नियंत्रण, अफवाहों का प्रसार और जनमत को प्रभावित करने के प्रयास इस संघर्ष का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इससे सत्य और असत्य के बीच अंतर करना और भी कठिन हो गया है। सोशल मीडिया के दौर में एक छोटी-सी भ्रामक सूचना भी बड़े स्तर पर भ्रम और तनाव उत्पन्न कर सकती है।

इसके अतिरिक्त, युद्ध पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। बमबारी, रासायनिक हथियारों का उपयोग, और औद्योगिक ढाँचों का विनाश पर्यावरण को दीर्घकालिक नुकसान पहुँचाता है। जल, वायु और भूमि प्रदूषण के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है। जैव विविधता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, और कई बार यह नुकसान अपरिवर्तनीय होता है। इस प्रकार, युद्ध केवल वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करता है। अंततः यह स्पष्ट है कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। यह केवल अस्थायी जीत और स्थायी घाव छोड़ता है। मानवता, विकास और शांति के पथ पर अग्रसर होने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्र संवाद, सहयोग और पारस्परिक समझ को प्राथमिकता दें। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि वे संघर्षों को रोकने और समाधान खोजने में अधिक प्रभावी हो सकें। आज की दुनिया को यह समझना होगा कि असली शक्ति विनाश में नहीं, बल्कि सृजन में निहित है। जो देश और समाज इस सत्य को स्वीकार कर लेंगे, वही भविष्य में स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर पाएंगे। युद्ध के धुएँ में भले ही क्षणिक विजय का भ्रम दिखाई दे, लेकिन जब वह धुआँ छंटता है, तो पीछे केवल विनाश, पछतावा और अनिश्चितता ही शेष रह जाती है। यही युद्ध की सबसे बड़ी सच्चाई है–एक ऐसी सच्चाई, जिसे समझना और स्वीकार करना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

किसी के लिए भी आसान नहीं केरल की राह

अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी? विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशक भर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे।

योगेश कुमार सोनी

19 57 में राज्य गठन के बाद से केरल राज्य में मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही है जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी-किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नही रहा। लेकिन 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी? विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशक भर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में कितना सार्थक हो पाती है?

मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशक भर में किए गए कामों को कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। इसके अलावा राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्म में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है। इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। लेकिन इसके विपरीत कांग्रेस ने सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है जिसके अहम रमुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बडे स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है जिससे युवा बेरोजगार हैं जिससे युवाओं को राज्य का छोड़ना लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रुप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है।

इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंड एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था लेकिन वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बबार्दी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वॉयनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालात में खाली पडें हैं चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जो लेकर कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नही मिली जिससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है।

इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं जिसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं वही लडकों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नही है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं।

कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नही समाया हुआ जिससे वहां की जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिध्द होती है चूंकि कई बार बडे मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। लेकिन अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपना किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुन अपने आप को स्थापित करती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कांगड़ा का वो शक्तिपीठ जिसे पांडवों ने बनाया, जानें मक्खन वाले प्रसाद का डिवाईन रहस्य

कांगड़ा जिले में फेमस शक्तिपीठों में से एक नगरकोट धाम है। जहां पर मां ब्रजेश्वरी का मंदिर है और यहां पर मक्खन चढ़ता है। यहां पर मकर संक्रांति को यहां पर विशेष पूजा की जाती है। यहां बनने वाले मक्खन के घृतमंडल को लेकर कहा जाता है कि युद्ध में महिषासुर को मारने के बाद देवी मां को कुछ चोटें आई थीं। उन चोटों को दूर करने के लिए मां ने नगरकोट में अपने शरीर पर मक्खन लगाया था। इस दिन को चिह्नित करने के लिए देवी की पिंडी को मक्खन से ढका जाता है और मंदिर में एक सप्ताह उत्सव मनाया जाता है। फिर इस मक्खन को उतारा जाता है और भक्तों में मक्खन को प्रसाद के रूप में दिया जाता है। यह मक्खन खाने के लिए नहीं बल्कि लगाने के लिए होता है। मान्यता है कि यह प्रसाद के रूप में मिलने वाला मक्खन चर्म रोग भी दूर करता है। यहां पर मां पिंडी स्वरूप में विराजमान हैं। माना जाता है कि महाभारत काल में पांडवों द्वारा मंदिर का निर्माण कराया गया है। यहां विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु दर्शन और पूजा के लिए पहुंचते हैं।

कहां स्थित है कांगड़ा ब्रजेश्वरी मंदिर

यह मंदिर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा शहर में स्थित है। धर्मशाला घूमने आने वाले लोग यहां माता रानी के दर्शन करके जाते हैं। धर्मशाला से करीब 18 से 20 किमी की दूरी पर है। इसलिए यहां पहुंचने में कोई ज्यादा परेशानी नहीं होगी। मंदिर पहाड़ों में ऐसी जगह स्थित है। जहां का शांत और सुकून भरा वातावरण रहता है। इस मंदिर को माता के 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। यही वजह है कि नवरात्रि में इस मंदिर में भक्तों की भीड़ होती है। महाभारत काल से भी इस मंदिर का इतिहास जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि पांडवों ने भी यहां पूजा की थी।

कैसे जाएं मंदिर

हवाई मार्ग

अगर आप यहां पर फ्लाइट से आने का प्लान कर रही हैं, तो गग्गल एयरपोर्ट तक फ्लाइट ले सकती हैं। यह कांगड़ा में स्थित है और यहां से मंदिर तक पहुंचने के लिए आपको 15 किमी का सफर पूरा करना होगा।

रेल मार्ग

वहीं अगर आप ट्रेन यात्रा से यहां तक पहुंचना चाहती हैं, तो आपको पठानकोट रेलवे स्टेशन के लिए टिकट बुक करना होगा। यहां से कांगड़ा पहुंचने के लिए टैक्सी या बस लेना होगा।

सड़क मार्ग

जो भी लोग अपनी गाड़ी से यात्रा प्लान कर रहे हैं, तो यह बेस्ट रास्ता है। दिल्ली, चंडीगढ़ और धर्मशाला से नियमित बसें चलती हैं। वहीं रास्ता अच्छा होने के कारण आप अपनी गाड़ी से भी आ सकते हैं। वहीं जो लोग बाइक से यात्रा करना चाहते हैं, तो यह शहर हिमाचल और आसपास के राज्यों से जुड़ा हुआ है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

चौकीदार व होमगार्ड नियुक्ति को लेकर हुई बैठक

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को चौकीदार व होमगार्ड नियुक्ति संबंधी समिति की बैठक समाहरणालय में आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने होमगार्ड और चौकीदारों के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती को लेकर अब तक की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। बैठक मेंउपायुक्त श्री लकड़ा ने भर्ती से जुड़े आवेदन प्रक्रिया और भौतिक सत्यापन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए समय-सीमा निर्धारित करने का निर्देश दिया, ताकि आवश्यक सभी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित की जा सके। आगे उन्होंने शारारिक दक्षता, आरएफआईडी तकनीक के उपयोग का निर्देश दिया, ताकि तकनीक के उपयोग से अभ्यर्थियों की दौड़ और अन्य शारीरिक स्पधाओं का सटीक डेटा डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी। इसके अलावा उपायुक्त ने भर्ती से जुड़े विभिन्न चरणों के लिए अधिकारियों को सख्त समय-सीमा निर्धारित करने का निर्देश दिया है। साथ ही आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के अलावा प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी और भौतिक सत्यापन के लिए आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इसके अतिरिक्त शारीरिक एवं लिखित परीक्षा को निष्पक्ष वातावरण में आयोजित कराने से जुड़े विभिन्न तैयारियों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। आगे समिति की बैठक में उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई है कि जिला अंतर्गत चौकीदार के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया चल रही है। विज्ञापन संख्या-01/2024 के माध्यम से चौकीदार की सीधी नियुक्ति के तहत बैकलॉग रिक्त पदों (पूर्व के शेष) पर नियुक्ति हेतु अधिसूचना जारी की गई है। नियुक्ति प्रक्रिया में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा ह.ढ(र) ठङ्ग. 1498 ङ्का 2025 में पारित आदेशों में दिए गए दिशा निदेर्शों का अनुपालन किया जा रहा हैं।

बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, मधुपुर राजीव कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी,, जिला सामान्य शाखा प्रभारी, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, होमेगॉर्ड कमांडेंट, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी 20 टूर्नामेंट शुरू

साहिबगंज : जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वधान में गुरुवार से सिदो कान्हू स्टेडियम में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूनार्मेंट का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि उपायुक्त हेमंत सती ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूनार्मेंट का उद्घाटन किया। इस दौरान डीसी ने कहा कि क्रिकेट टीम भावना के साथ कड़े संघर्ष की सीख देता है। पढ़ाई के साथ खेलकूद भी जरूरी है। आज खेलकूद में भी कैरियर की असीम संभवना है। खिलाड़ी निचले स्तर पर भी ऐसे प्लेटफार्म को अपनी सफलता का आधार बना सकते हैं। कामयाबी चाहिए तो संघर्ष करना होगा। उद्घाटन मैच राजमहल स्पोर्टिंग क्लब बनाम माही स्पोर्ट्स ब्लू के बीच खेला गया।

माही स्पोर्ट्स ने टॉस जीत क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। राजमहल स्पोर्टिंग क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 186 रन का स्कर खड़ा किया। हजरत शेख ने 65 व स्वयं साह ने 33 रन की पारी खेली। माही ब्लू के गेंदबाज मनीष व मिलन ने 2-2 विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी माही ब्ल्यू की टीम 13 ओवर में 68 रन बना कर ऑल आउट हो गई। मिलन में 16 व तौसीफ ने 13 रन की पारी खेली। राजमहल स्पोर्टिंग के गेंदबाज जीत व राकेश ने 2-2 विकेट लिए। राजमहल स्पोर्टिंग ने 118 रन से जीत दर्ज की। राजमहल के खिलाड़ी हजरत शेख को मैन ऑफ दी मैच चुना गया। जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा ने हजरत शेख को पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व तारिक अनवर ने किया। जबकि स्कोरिंग अनाउल्लाह कर रहे थे। मौके पर जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, डॉ सुमित, डॉ तुफैल, सतीश सिन्हा, गोपाल चोखानी, संतोष सिंह, मो जाहिद, राकेश गुप्ता, अनिल गुप्ता, सुरेश साह, अंकित सिन्हा सहित अन्य थे। शुक्रवार को जवाहर नवोदय विद्यालय बनाम संत जेवियर स्कूल बी एवं दूसरा मैच बोरियो सुपरकिंग बनाम माही स्पोटर्स येलो के बीच खेला जाएगा।

एसकेएमयू में हुआ स्वागत समारोह का आयोजन

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में गुरुवार को नव प्रवेशित छात्रों के सम्मान में एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभाग के वरिष्ठ छात्रों द्वारा जूनियर बैच के छात्रों का स्वागत करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार दास, सहायक प्राध्यापक डॉ. बिनोद मुर्मू, डॉ. ज्ञान चंद, अमित नाग, और डॉ. टीपू कुमार उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी समारोह में भाग लेकर कार्यक्रम को और अधिक जीवंत बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रूप से लोटा पानी और वीर सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण और विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके बाद छात्रों ने आपसी तालमेल और मनोरंजन के लिए विभिन्न खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन गतिविधियों ने नवागंतुक छात्रों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार किया। सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं के आधार पर प्रशांत हेम्ब्रम को मिस्टर फ्रेशर और स्वेता कुमारी को मिस फ्रेशर के रूप में चयनित किया गया। इनका चयन उनके प्रदर्शन, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता के आधार पर किया गया। समारोह के दौरान विभाग के सभी शिक्षकगण ने छात्रों को संबोधित किया और उन्हें नियमित कक्षाओं में भाग लेने, अनुशासन बनाए रखने और ज्ञान अर्जित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्रों को उच्चतम शैक्षणिक मानकों को अपनाने और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

सफलता के लिए अनुशासन महत्वपूर्ण : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : राजकीय पुस्तकालय, दुमका में जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की उपस्थिति में गुरुवार को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों हेतु एक प्रेरणात्मक सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में उपायुक्त श्री सिन्हा,उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, वढरउ परीक्षा में 41वीं रैंक प्राप्त कर कअर बनने वाली सुदीपा दत्ता तथा राजकीय पुस्तकालय के विद्यार्थियों के साथ बुक क्लब का फीता काटकर उद्घाटन किया गया।इसके उपरांत उपायुक्त द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रेरणात्मक सत्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त श्री सिन्हा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु कई महत्वपूर्ण मूल मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में 3ऊका विशेष महत्व है डिटरमिनेशन , डिसिप्लिन एवं डेडीकेशन । उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम विद्यार्थियों को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए, तत्पश्चात अनुशासन के साथ उस लक्ष्य के अनुरूप रणनीति बनाकर पूर्ण समर्पण के साथ निरंतर प्रयास करना चाहिए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि सुदीपा दत्ता ने दुमका जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने अपने सिविल सेवा की तैयारी की शुरूआत वर्ष 2021 में इसी पुस्तकालय से की थी, जहाँ आज यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है। उन्होंने बुक क्लब की स्थापना एवं विकास में पूर्व सहायक समाहर्ता नाजिश उमर अंसारी के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग अत्यंत आवश्यक हो गया

है तथा बदलते दौर के साथ अध्ययन पद्धति में भी बदलाव लाना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी प्रेरित किया कि संसाधनों की कमी को कभी भी अपनी कमजोरी न मानें, बल्कि निष्ठा, परिश्रम एवं लगन के बल पर सफलता प्राप्त की जा सकती है।

इसी क्रम में सुदीपा दत्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए वढरउ परीक्षा की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने अपनी तैयारी यात्रा का वर्णन करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा उनके प्रश्नों का सकारात्मक उत्तर दिया। उन्होंने बताया कि यद्यपि इंटरनेट पर अध्ययन सामग्री उपलब्ध है, फिर भी स्वयं के नोट्स बनाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे विषय की समझ बेहतर होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं के अध्ययन की आदत विकसित करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कहा कि सफलता के लिए केवल मोटिवेशन पर्याप्त नहीं है, बल्कि अनुशासन अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आने वाले विभिन्न प्रकार के विचलनों जैसे मोबाइल, मित्रों एवं अन्य कारणों से स्वयं को नियंत्रित रखते हुए लक्ष्य पर केंद्रित रहने की सलाह दी। मौके पर जिले के उपविक विकास आयुक्त अनिकेत सचान के साथ-साथ जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

25 अप्रैल तक बिना सीटीओ संचालित ईंट भट्ठों को ध्वस्त करें : उपायुक्त

उपायुक्त ने कानून-व्यवस्था एवं अवैध खनन पर सख्ती के दिए निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।बैठक के दौरान उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा करते हुए विभागवार प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने हाल के दिनों में कानपुर में मोबाइल चोरी के मामलों में साहिबगंज जिले का नाम सामने आने पर चिंता व्यक्त की। इस संबंध में सतत निगरानी और आवश्यक कार्रवाई हेतु एक विशेष कमिटी के गठन का निर्देश दिया गया। जिले में पुलिस बाइक

गश्ती को और अधिक सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी थानों में प्रत्येक शनिवार को थाना दिवस का नियमित व प्रभावी संचालन सुनिश्चित करते हुए लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर बल दिया।जिला टास्क फोर्स खनन की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अवैध खनन और निर्धारित क्षेत्र से बाहर खनन के मामलों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सभी अंचल अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत खनन मापी प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित खनन पदाधिकारी को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही 25 अप्रैल तक बिना सीटीओ संचालित ईंट भट्ठों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया।जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा में हिट एंड रन मामलों पर गंभीरता से कार्य करने, वाहनों की नियमित जांच एवं चालान अभियान तेज करने तथा गंगा नदी में संचालित नावों के विरुद्ध नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त फॉरेस्ट क्लीयरेंस से संबंधित मामलों में भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर बनाए गए हैं 30 परीक्षा केंद्र

संवाददाता

दुमका : झारखण्ड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा 2023 को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में वरीय पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने बताया कि आगामी 12 अप्रैल 2026 (रविवार) को जिले में तीन पालियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रातः 08:30 बजे से 10:30 बजे तक, द्वितीय पाली 11:30 बजे से 01:30 बजे तक एवं तृतीय पाली 03:30 बजे से 05:30 बजे तक संचालित होगी। इस परीक्षा के सफल आयोजन हेतु जिले में कुल 30 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 9528 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सभी मूलभूत सुविधाएं जैसे स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं बैठने की समुचित व्यवस्था पूर्व से ही सुनिश्चित कर ली जाए। जिन केंद्रों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित की जाए। साथ ही, यदि किसी परीक्षा केंद्र पर दिव्यांग अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, तो उनके लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर फर्स्ट ऐड बॉक्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी को परीक्षा के दौरान सतर्क एवं सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या कदाचार की संभावना को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पूर्व अभ्यर्थियों की सघन जांच की जाएगी। किसी भी अभ्यर्थी को मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ या अन्य किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, ऐसी किसी भी वस्तु के प्रवेश पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा, जिससे परीक्षा की गोपनीयता भंग होने की आशंका हो।

उन्होंने निर्देशित किया कि परीक्षा प्रारंभ होने से कम-से-कम आधा घंटा पूर्व सभी अभ्यर्थियों को उनके निर्धारित सीट पर बैठा दिया जाए, ताकि परीक्षा समय पर एवं व्यवस्थित ढंग से प्रारंभ हो सके।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं तथा परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि की वीडियोग्राफी कराई जाएगी, जिससे पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ करें।

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

देवघर : फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट, देवघर में गुरुवार को सुकृति रंगोली प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता, कला कौशल और टीम भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में कुल ८ टीमों में छात्रों को विभाजित किया गया। सभी टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बेहद सुंदर रंगोलियाँ बनाईं। मुख्य अतिथि के रूप में शर्मिष्ठा सरकार, सह निदेशक, रामकृष्ण विवेकानन्द विद्या मंदिर, जसीडीह उपस्थित रहीं। संस्थान द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनकी रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ छात्रों में आत्मविश्वास और नवाचार को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जीवन में कुछ खामियाँ रह जाती हैं, जिन्हें निरंतर प्रयास से दूर किया जा सकता है। मुख्य अतिथि और प्राचार्य ने सभी टीमों की रंगोलियों का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रों से उनके डिजाइन और विचारों के बारे में चर्चा की। डॉ. श्वेता नृपेन्द्र सिंह लिंगवाल ने भी रंगोली बनाने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन रचनात्मकता, प्रस्तुति, रंग संयोजन और विषय की स्पष्टता के आधार पर किया गया। सभी टीमों का प्रदर्शन काफी सराहनीय रहा।

युवा आजसू के जिला प्रभारी बने प्रणव कुमार साह, संगठन विस्तार पर जोर

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : आजसू पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर जिले में युवा संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है।पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के निर्देश और केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से प्रखंड के कोटालपोखर निवासी प्रणव कुमार साह को युवा आजसू का पाकुड़ जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है।इसकी अधिसूचना केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस द्वारा जारी की गई।इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष आलमगीर आलम ने बताया कि संगठन को

जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।उन्होंने कहा कि प्रणव कुमार साह एक सक्रिय,कर्मठ और जुझारू युवा नेता हैं,जिनके नेतृत्व में जिले में युवा आजसू को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।आलमगीर आलम ने विश्वास जताया कि नई जिम्मेदारी के साथ प्रणव अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ेंगे और जन समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।वहीं,नव नियुक्त जिला प्रभारी प्रणव कुमार साह ने केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो,केंद्रीय नेतृत्व और जिला अध्यक्ष आलमगीर आलम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन विस्तार,युवाओं को जोड़ने और जनहित के मुद्दों को लेकर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया की सही जानकारी दें बीएलओ : बरकत

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखण्ड अंतर्गत बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 02 में स्थित निशा मैरिज हॉल प्रांगण में बरहरवा प्रखंड कांग्रेस कमेटी द्वारा जन संवाद एवं एस.आई.आर. प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष मनोज घोष ने की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान व विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखण्ड प्रदेश सचिव कमल आर्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झारखण्ड में होने वाले एस.आई.आर.प्रक्रिया को लेकर पार्टी कार्यकताओं को जागरुक प्रशिक्षित करना था।जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण शिविर कार्यकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने कहा कि बुथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं,और उनकी सजगता से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होती है। उन्होंने सभी बी एल ए से अपील की कि वह अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाताओं को जागरूक करें तथा उन्हें एस आई आर प्रक्रिया की सही जानकारी दें। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे इसके लिए सभी कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।कार्यक्रम में सर्वप्रथम नगर अध्यक्ष मनोज घोष ने प्रखंड संवाद एवं पेशा एक्ट के बारे में विस्तार रूप से अपनी बातों को रखा उन्होंने सभी नगर के सभी बीएलए को अभी से सभी मतदाताओं के घर-घर जाकर एस.आई.आर. की विस्तृत

जानकारी देने का निर्देश दिया है।बी एल ए मास्टर ट्रेनर मुरसलीम खान ने विस्तार से एस आई आर प्रक्रिया को समझाते हुए कहा कि सही जानकारी और समय पर कार्यवाही ही इस प्रक्रिया की सफलता की कुंजी है। उन्होंने बीएलए को तकनीकी पहलुओं,फॉर्म भरने की प्रक्रिया दस्तावेजों की जाँच त्रुटियों के सुधार के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुथ स्तर पर कार्य करते समय पारदर्शिता और सतर्कता बेहद आवश्यक है।उन्होंने सभी बी एल ए से अपील की वह मतदाताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुने और समय पर समाधान सुनिश्चित करें ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू एवं कार्यकारी ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया।कार्यक्रम में बी एल ए ,कांग्रेसी कार्यकर्ता गण और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी मो.नसीरुद्दीन, जिला महासचिव मिठून कुमार मंडल, भोलानाथ महतो ओबीसी प्रकोष्ठ झारखण्ड प्रदेश महासचिव अश्विनी आंनद,प्रखण्ड उपाध्यक्ष सह मिडिया प्रभारी अनन्त लाल भगत,प्रखंड महासचिव निताय सरकार,राकेश महतो,शारीक रब्बानी,आलमगीर मंसूरी,विष्णु माल,संतोष राम,आशीष शर्मा, राधेश्याम महतो,दिलीप दास,दीपक कुमार, दिनेश तुरी, मुबारक शेख,अब्दुल मतिउर शेख, देवानंद राय, विकास कुमार साहा मुरसलीम शेख, राजू महतो, पोलेश कुमार, अरुण रविदास, अली असगर, तैय्यब शेख, अमित कुमार सहित दर्जनों बी एल ए,कार्यकर्त्तागण एवं नगर वासी उपस्थित थे।

रेड लिप ट्रेंड को अपनाती बोल्ड एंड टाइमलेस बॉलीवुड दिवाज़

मुंबई क्लासिक रेड लिप्स में एक अलग ही ताकत होती है क्योंकि ये बोल्ड, कॉन्फिडेंट और किसी भी लुक को तुरंत खास बना देते हैं। यही वजह है कि ग्लैमरस गाउन से लेकर पावर सूट तक, बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस यह साबित कर रही हैं कि रेड लिपस्टिक सिर्फ मेकअप नहीं, बल्कि एक स्टेटमेंट है। तो आइए जानते हैं कैसे आपकी पसंदीदा दिवाज़ इस टाइमलेस ट्रेंड को नए अंदाज़ में पेश कर रही हैं:

दीपिका पादुकोण : द अल्टीमेट रेड लिप क्वीन

जब रेड लिपस्टिक ट्रेंड की बात आती है, तो दीपिका पादुकोण का नाम सबसे पहले आता है। इंटरनेशनल रेड कार्पेट से लेकर फिल्म प्रमोशन्स तक, उनका बोल्ड रेड पाउट हमेशा लोगों का ध्यान खींचता है। विंग्ड आईलाइनर या ड्रामेटिक आई मेकअप के साथ उनका रेड लिप लुक कॉन्फिडेंस और एलिगेंस से भरा होता है।

तमन्ना भाटिया: मॉडर्न ट्विस्ट के साथ ग्लैम

तमन्ना भाटिया क्लासिक रेड लिप्स को एक फ्रेश और यंग टच देती हैं। चाहे वो वेस्टर्न गाउन पहनें या ट्रेडिशनल साड़ी, उनके क्रिमसन शेड्स उनकी स्किन टोन को और भी निखारते हैं। सॉफ्ट ग्लैम मेकअप, जैसे ड्यूई स्किन और हल्का आई मेकअप के साथ उनके रेड लिप्स और भी उभरकर आते हैं।

आलिया भट्: सिंपल लेकिन स्ट्राइकिंग

आलिया भट्ट का रेड लिप लुक बैलेंस का बेहतरीन उदाहरण है। वह अक्सर सॉफ्ट रेड टोन चुनती हैं, जो उनके नेचुरल फीचर्स को निखारते हैं। फ्लश्ड चीक्स और मिनिमल आई मेकअप के साथ आलिया दिखाती हैं कि रेड लिप्स बोल्ड होने के साथ-साथ सटल भी हो सकते हैं।

कृति खरबंदा: प्लेफुल एंड प्रिटी

कृति खरबंदा रेड लिप ट्रेंड में एक फ्रेश और प्लेफुल वाइब लाती हैं। उनके ब्राइट चेरी-रेड शेड्स उनके लुक को तुरंत एनर्जी देते हैं। सॉफ्ट कर्ल्स, ड्यूई मेकअप और हल्के ब्लश के साथ उनका स्टाइल डे और नाइट दोनों के लिए परफेक्ट है।

कियारा आडवाणी: मॉडर्न-डे ग्लैम

क्वीन कियारा आडवाणी का ब्यूटी स्टाइल हमेशा पॉलिश्ड और परफेक्ट होता है। उनके रेड लिप्स, क्लासिक और मॉडर्न का खूबसूरत मेल हैं। ल्यूमिनस स्किन और हल्के ड्रामेटिक आई मेकअप के साथ उनका रेड पाउट, उनकी खूबसूरती में हर बार एक्स्ट्रा ग्लैमर जोड़ देता है।

कृति सैनन: एफर्टलेस एलिगेंस

कृति सेनन अपने रेड लिप लुक्स में सादगी और क्लास बनाए रखती हैं। उनके वेल्वेटी रेड शेड्स उनकी ग्लोइंग स्किन के साथ परफेक्ट लगते हैं। सॉफ्ट आई मेकअप और रेडिएंट बेस के साथ उनका पूरा लुक बेहद बैलेंस्ड और अट्रैक्टिव नजर आता है।

तृप्ति डिमरी: राइजिंग स्टाइल स्टार

तृप्ति डिमरी तेजी से एक स्टाइल आइकन बनती जा रही हैं। उनके रेड लिप्स अक्सर डीपर और मूडी टोन में होते हैं, जो उनके फीचर्स को और उभारते हैं। स्लीक बन या सॉफ्ट वेव्स के साथ उनका लुक मॉडर्न और थोड़ा हटके होता है।

आईपीएल 2026 : मुकुल चौधरी के छक्कों-चौकों ने पलटा मैच, लखनऊ ने कोलकाता से छीनी जीत

एजेंसी

कोलकाता : आईपीएल 2026 के 15वें मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने रोमांचक अंदाज में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को हराते हुए आखिरी ओवर में जीत दर्ज की। ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले में युवा खिलाड़ी मुकुल चौधरी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स ने 20 ओवर में 181 रन बनाए। टीम की शुरूआत खराब रही और फिन एलेन जल्दी आउट हो गए। इसके बाद अजिंक्य रहाणे ने 41 रन की तेज पारी खेलकर पारी को संभाला। अंकुश रघुवंशी ने 45 रन बनाए, जबकि कैमरन ग्रीन (32*) और रोवमैन पॉवेल (39*) की नाबाद पारियों ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरूआत भी खराब रही। एडेन मार्करम और मिचेल मार्श सस्ते में आउट हो गए। इसके बाद ऋषभ पंत और निकोलस पूरन भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। 16वें ओवर तक लखनऊ का स्कोर 128/7 था और मुकाबला कोलकाता के पक्ष में झुका हुआ था।

लेकिन यहां से 21 वर्षीय मुकुल चौधरी ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने सिर्फ 27 गेंदों पर नाबाद 54 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनके ये 9 बड़े शॉट्स ही जीत का आधार बने। दूसरी ओर आयुष बडोनी ने भी 54 रन की अहम पारी खेली और टीम को जीत तक पहुंचाया। राजस्थान के रहने वाले मुकुल चौधरी आईपीएल 2026 की खोज बनकर उभरे हैं। 30 लाख के बेस प्राइस वाले इस खिलाड़ी को लखनऊ ने 2.60 करोड़ रुपये में खरीदा था। विकेटकीपर-बल्लेबाज होने के साथ-साथ वह तेज गेंदबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन इस मैच में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींच लिया।

इस जीत के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली, जबकि कोलकाता को आखिरी ओवर में हार का सामना करना पड़ा।

हॉकी इंडिया ने टिम व्हाइट को भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में टिम व्हाइट की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा की है। ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी कोच ने हाल ही में जनवरी 2026 में हीरो हॉकी इंडिया लीग में तमिलनाडु ड्रैगन्स टीम के मुख्य कोच के रूप में काम किया था। अब वह भारत की उभरती हुई युवा प्रतिभाओं को निखारने की जिम्मेदारी संभालेंगे। टिम व्हाइट का कोचिंग करियर काफी प्रभावशाली रहा है। भारत आने से पहले वह बेल्जियम की अंडर-21 महिला टीम के कोच थे, जहां उन्होंने टीम को दिसंबर 2025 में जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक दिलाया। इसके अलावा 2021 से 2024 के बीच वह बेल्जियम की सीनियर महिला टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे, इस दौरान टीम की विश्व रैंकिंग 12वें स्थान से बढ़कर तीसरे स्थान तक पहुंची और 2024 पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया।

इससे पहले वह ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के राष्ट्रीय कोच भी रह चुके हैं, जहां उन्होंने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक हासिल किया था। अपनी नियुक्ति पर टिम व्हाइट ने कहा कि भारत में हॉकी के प्रति जुनून और समृद्ध परंपरा ने उन्हें दोबारा यहां आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वह यहां की युवा प्रतिभाओं को नजदीक से देख चुके हैं और उनका लक्ष्य ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना है, जो तकनीकी रूप से

मजबूत हों और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार रहें। टीम को लेकर अपनी योजना साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वह खेल को सरल रखते हुए टीम की सामूहिक और व्यक्तिगत ताकत पर ध्यान देंगे। उनका लक्ष्य एक ऐसी टीम तैयार करना है जो आक्रामक हॉकी खेले, लेकिन रक्षण में भी अनुशासन बनाए रखे। साथ ही उन्होंने फिटनेस और दबाव में बेहतर प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी। टिम व्हाइट की नियुक्ति को भारतीय हॉकी में आधुनिक रणनीति और अनुशासन लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। उनके पास ऑस्ट्रेलिया और यूरोप में उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों का व्यापक अनुभव है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि टिम व्हाइट का अनुभव और उपलब्धियां जूनियर टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगी। वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि यह कदम जूनियर खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देने की दिशा में अहम है और इससे युवा खिलाड़ियों को सीनियर स्तर के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा।

फिर खतरे में

अक्षय की 'हेरा-फेरी 3'

अक्षय कुमार के खाते में इस वक्त कई बड़ी फिल्में हैं. फिलहाल उनका पूरा फोकस ही 'भूत बंगला' पर है, जो 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली है. प्रियदर्शन इस फिल्म के डायरेक्टर हैं. हालांकि, 'हैवान' और 'हेरा-फेरी 3' में भी यह जोड़ी साथ में काम कर रही है. लेकिन कल्ट फिल्म 'हेरा -फेरी' के तीसरे इंस्टॉलमेंट पर खतरा कम होने की जगह बढ़ता ही जा रहा है. पहले ही लीगल इश्यू में फंसी है, अब किसने फिल्म छोड़ दी है?

इधर अक्षय कुमार बड़ी वापसी की तैयारी में हैं, उधर फैन्स को एक बड़ी हिट का इंतजार है. यूं तो उनके लिए 2025 भी बहुत सॉलिड रहा है, क्योंकि थिएटर्स में चार फिल्में लेकर उतरे थे और कोई भी फ्लॉप नहीं रही. अब वो उस जॉनर में वापसी कर रहे, जिसमें लोग उन्हें देखना चाहते थे यानी अक्षय कुमार को प्रियदर्शन का साथ मिला है, जिनकी 'भूत बंगला' 17 अप्रैल को रिलीज होगी. जबकि, 16 अप्रैल को फिल्म के पेड प्रीव्यू रखे गए हैं.

हालांकि, अक्षय और प्रियदर्शन की इसके अलावा दो और फिल्मों के लिए जोड़ी बनी है. जिसमें- 'हैवान' और 'हेरा-फेरी 3' शामिल है. कल्ट फिल्म 'हेरा -फेरी' के तीसरे इंस्टॉलमेंट पर खतरा कम होने की जगह बढ़ता ही जा रहा है.

मुश्किलों के बाद परेश रावल की वापसी कराई गई थी. फिर राइट्स को लेकर मामला कोर्ट पहुंच गया. अब किसने फिल्म छोड़ दी है? 'हेरा-फेरी 3' का काम रुका हुआ है और कब शुरू होगा, यह अबतक किसी को भी नहीं पता है. खुद प्रियदर्शन और अक्षय कुमार बता चुके हैं कि वो नहीं जानते फिलहाल कुछ. वहीं, प्रियदर्शन भी दूसरी फिल्मों के काम में बिजी हैं. अक्षय कुमार के खाते में कई बड़ी फिल्में हैं. जबकि, साउथ फिल्ममेकर पहले ही क्लेम कर चुका है कि इस सीक्वल के राइट्स उनके पास है. जो फिरोज नाडियाडवाला के पास नहीं थे, तो फिर उनसे अक्षय कुमार की कंपनी कैसे राइट्स खरीद सकती है.

'एक मां ऐसी ही होनी चाहिए'

बॉलीवुड स्टार करिश्मा कपूर अपने परिवार के साथ काफी जुड़ी रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी मां को लेकर कई अहम बातें बताई हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी की सारी सफलता और अपनी सारी शोहरत का श्रेय अपनी मां को दिया है। राज कपूर की पोती हाल ही में रियलिटी सिंगिंग शो 'इंडियन आइडल' में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी मां बबीता के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे मुश्किल से मुश्किल समय में भी उनकी मां उनके साथ खड़ी रहीं।

ऑफ-स्क्रीन सुपरस्टार थीं मां

होस्ट आदित्य नारायण ने दर्शकों को संबोधित करते हुए बताया कि कैसे करिश्मा कपूर की मां बबीता ही थीं, जिन्होंने उनके करियर में अपनी बेटी का साथ दिया। उन्होंने कहा कि करिश्मा कपूर, कपूर परिवार की ऑन-स्क्रीन सुपरस्टार थीं लेकिन ऑफ-स्क्रीन सुपरस्टार उनकी मां बबीता थीं। यह सुनकर करिश्मा भावुक हो गईं और कहा, 'आप मुझे अभी रुला रहे हैं। मैं अपनी मां की पूजा करती हूं। एक मां ऐसी ही होनी चाहिए, मां तो मां ही होती है। बेशक, मेरे परिवार ने मेरा साथ दिया लेकिन मां का जो आत्मविश्वास था और जो संस्कार उन्होंने मुझे सिखाए, वे सबसे ज्यादा जरूरी हैं। मुझे लगता है कि इसलिए मैं आज जो कुछ भी हूं और जो कुछ भी थी, उसका सारा श्रेय मैं अपनी मां को ही दूंगी।'

कभी 15 लोगों के सामने गाया गाना

आज लाखों की भीड़ होती है इकट्ठी; जैस्मीन सैंडलस ने बताया अपना सफर

जानी-मानी सिंगर जैस्मीन सैंडलस इन दिनों 'धुरंधर' की सफलता का आनंद ले रही है। फिल्म के लिए गाए गाने सुपरहिट रहे हैं। उनके सफर की बात करें, तो उन्होंने 2012 में दिल्ली के एक छोटे से क्लब से अपने करियर की शुरुआत की थी और आज वह लाखों की भीड़ के सामने कॉन्सर्ट करती हैं। दरअसल, जैस्मीन ने सोशल मीडिया पर अपने पुराने दिनों की यादें साझा कीं और अपने बदलते वक्त के बारे में बताया। जैस्मीन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह 2012 में एक छोटे क्लब में गाती नजर आ रही हैं। उस समय उनके सामने सिर्फ 15 लोग थे, लेकिन उनका उत्साह आज भी वैसा ही है। उन्होंने इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा कि चाहे उस समय के कम लोग हों या आज की भीड़, परफॉर्म करने का जुनून और इंटेंसिटी कभी बदलती नहीं है।

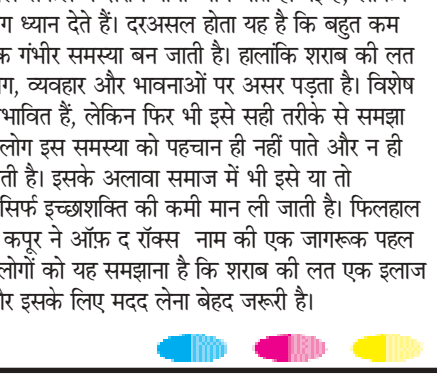

उन्होंने बताया कि फेम और सक्सेस किसी को नहीं बदलते बल्कि वे दिखाते हैं कि आप असल में कौन हैं। इसके साथ ही जैस्मीन ने बताया, ''फैंस मुझे मेरे पुराने वीडियो और तस्वीरें भेज रहे हैं, जो करियर के शुरुआती दिनों की याद दिलाती हैं। मैं फैंस का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मेरे सफर को देखा और मेरी सफलता का हिस्सा बने। यह इस पोस्ट साझा करने में खुशी महसूस हो रही है, क्योंकि इससे मुझे अपने पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं। जैस्मीन ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'फैंस के भेजे गए फोटो और वीडियो मेरे अंदर नई एनर्जी लाते हैं। यह देखकर बहुत खुशी होती है कि लोग मेरे शुरुआती संघर्ष को भी याद रखते हैं और मेरा समर्थन करते हैं। उन्होंने तब मेरे सफर में साथ दिया, जब मैं इतनी पॉपुलर नहीं थी। जैस्मीन ने अपने सफर को खूबसूरत बताया और कहा, ''मैंने अपने सपनों में पूरी तरह खुद को झोंक दिया।

थिएटर एक आईना है: अनुपम

अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्मों के अलावा रंगमंच पर भी अलग पहचान बनाई है। उनका लोकप्रिय नाटक 'कुछ भी हो सकता है' को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। हाल ही में इस नाटक के एक शो में अनुपम खेर को दर्शकों की तरफ से स्टैंडिंग ओवेशन मिली। इस माहौल में अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। अनुपम ने खुश होकर लिखा, 'मंच पर खड़ा होना और पूरे हॉल का खड़ा होकर तालियां बजाना हमेशा दिल को छू लेता है लेकिन इतने सालों के अनुभव के बाद मैंने एक बड़ी बात समझ ली है। 'कुछ भी हो सकता है' के लिए मिली ये तालियां सिर्फ मेरे अभिनय या कहानी सुनाने के लिए नहीं हैं। ये शायद मेरी पूरी जिंदगी के लिए भी हैं।' अनुपम ने आगे लिखा, 'मेरी मुश्किलों, मेरी असफलताओं और उन जोखिमों के लिए जो मैंने कदम उठाए और सबसे बड़ी बात उस हिम्मत व रवैए के लिए जिससे मैंने सबका सामना किया। जब लोग खड़े होकर तालियाँ बजाते हैं, तो वे सिर्फ मुझे नहीं सराह रहे होते। वे एक संभावना की सराहना कर रहे होते हैं। अनुपम का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति सब कुछ सहने के बावजूद मजबूती से खड़ा हो सकता है, तो शायद मैं भी कर सकता हूं।

जाह्नवी कपूर ने AMAHA के साथ मिलकर

शराब की लत को मानसिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समझाने की पहल की

हाल ही में जान्हवी कपूर ने शराब से जुड़े एक अहम मुद्दे पर लोगों का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया है कि आजकल सोशल सर्कल में शराब पीना आम बात हो गई है, लेकिन इसके गंभीर परिणाम पर बहुत कम लोग ध्यान देते हैं। दरअसल होता यह है कि बहुत कम लोग समझते हैं कि कब यह आदत एक गंभीर समस्या बन जाती है। हालांकि शराब की लत एक मेडिकल कंडीशन है, जिसमें दिमाग, व्यवहार और भावनाओं पर असर पड़ता है। विशेष रूप से हमारे देश में कई लोग इससे प्रभावित हैं, लेकिन फिर भी इसे सही तरीके से समझा और इलाज नहीं किया जाता। अक्सर लोग इस समस्या को पहचान ही नहीं पाते और न ही उन्हें सही समय पर सही मदद मिल पाती है। इसके अलावा समाज में भी इसे या तो नजरअंदाज कर दिया जाता है या इसे सिर्फ इच्छाशक्ति की कमी मान ली जाती है। फिलहाल इसी सोच को बदलने के लिए जाह्नवी कपूर ने ऑफ़ द रॉक्स नाम की एक जागरूक पहल की शुरूआत की है, जिसका मकसद लोगों को यह समझाना है कि शराब की लत एक इलाज योग्य मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, और इसके लिए मदद लेना बेहद जरूरी है।

सहारनपुर में सड़क किनारे सो रहे पांच मजदूरों पर पलटा बजरी लदा ट्रक, तीन की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

एजेंसी

सहारनपुर : जिले के थाना नागल के अंतर्गत सहारनपुर-झबरेहड़ा मार्ग पर सड़क किनारे टीन शेड में सो रहे पांच मजदूरों पर बजरी

लदा ट्रक पलट गया। इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई और अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह मजदूर वहीं हो रहे एक पुल के निर्माण कार्य में लगे हुए थे। इस हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संवेदना व्यक्त की और घायलों के समुचित इलाज के लिए

अधिकारियों को निर्देशित किया। गुरुवार रात निमार्णाधीन पुल के पास सड़क किनारे टीन लगाकर मजदूर सो रहे थे। रात

करीब 2 से 3 बजे के बीच गांव खेड़ा मुगल की ओर जा रहा बजरी भरा ट्रक असंतुलित हो कर सो रहे मजदूरों के ऊपर पलट गया। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद अन्य मजदूर मौके पर पहुंचे तो उन्हे बजरी के नीचे दबे मजदूरों की आवाजें सुनाई दीं।मजदूरों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी और बजरी में दबे मजदूरों को निकालनेका प्रयास शुरू कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी पांच मजदूरों को बजरी के नीचे से बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने तीन मजदूरों को मृत घोषित कर दिया और अन्य दो घायलों को भर्ती कर लिया गया। यह सभी मजदूर सहारनपुर-झबरेहड़ा मार्ग पर पुल के निर्माण कार्य में लगे हुए थे। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान असगर, इस्तकार और शौकीन के रूप में हुई और घायलों की पहचान गुलफाम और कर्मवीर के रूप में हुई। यह सभी थाना मिजार्पुर क्षेत्र के गांव महमूदपुर निवासी हैं।

नेपाल में मुक्तिनाथ दर्शन कर लौट रहे भारतीय तीर्थयात्रियों का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 6 घायल

काठमांडू : नेपाल के प्रसिद्ध मुक्तिनाथ धाम की यात्रा कर वापस लौट रहे भारतीय श्रद्धालुओं की एक गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से ६ यात्री घायल हो गए हैं। नेपाल के म्याग्दी जिले के बेनी नगरपालिका स्थित जलेश्वर के पास शुक्रवार सुबह माइक्रोबस दुर्घटना में ६ भारतीय तीर्थयात्रियों घायल हो गए हैं। जिला पुलिस कार्यालय म्याग्दी के अनुसार, मुस्तांग के मुक्तिनाथ दर्शन से दर्शन कर लौट रहे भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही 8436 नंबर की ईवी माइक्रोबस बेनीझजोमसोमझकोरला सड़क खंड के जलेश्वर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अस्पताल की सूचना अधिकारी झरना श्रेष्ठ के अनुसार, एक घायल को आगे के उपचार के लिए पोखरा भेजा गया है, जबकि पांच लोगों का उपचार प्रदेश अस्पताल बेनी में किया जा रहा है। दुर्घटना में उत्तरप्रदेश के 26 वर्षीय दीना मादी, 36 वर्षीय त्रिवेणी भारत, 50 वर्षीय प्रमोद शंकर यादव, 28 वर्षीय कैलाश देयानी, 70 वर्षीय निरंजन दास खन्ना और 22 वर्षीय सन्तोष घायल हुए हैं। इसी स्थान जलेश्वर में बुधवार अपराह्न भी ट्रक और बस की टक्कर में मुक्तिनाथ से लौट रहे 15 भारतीय तीर्थयात्री घायल हुए थे। बेनी के पुलिस निरीक्षक सागर तिमिल्सिना ने बताया कि 15 यात्रियों को लेकर जा रहा वाहन चलते-चलते अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे टकरा गया, जिससे दुर्घटना होने से उसमें सवार १५ भारतीय तीर्थयात्री घायल हो गए थे।

बीएचयू में त्वरित एवं प्रभावी संवाद की पहल

सभी विद्यार्थियों को आधिकारिक डोमेन पर मिलेगा ई-मेल आईडी

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) प्रशासन ने विद्यार्थियों से त्वरित एवं प्रभावी संवाद,सुविधापूर्ण परिसर अनुभव प्रदान करने के लिए बड़ी पहल की है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के आधिकारिक डोमेन पर ई-मेल आईडी उपलब्ध कराने की शुरूआत की है। यह निर्णय संस्थान के भीतर विभिन्न हितधारकों के बीच निर्बाध एवं प्रभावी संवाद तथा आंतरिक संस्थागत सहभागिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लिया गया है।

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर के समन्वयक प्रो. राजेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय देश के उन चुनिंदा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से है, जो अपने सभी विद्यार्थियों

को यह सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इस पहल से विद्यार्थियों एवं संकाय तथा प्रशासन के बीच संवाद अधिक प्रभावी होने की अपेक्षा है तथा उत्तरदायित्व की भावना को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, विद्यार्थियों को व्यक्तिगत ई-मेल सेवाओं की तुलना में उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ एवं बेहतर स्पैम सुरक्षा का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ई-मेल आईडी विद्यार्थियों के समर्थ पोर्टल पर उपलब्ध विवरणों के आधार पर तैयार की जाएंगी। इस व्यवस्था के क्रियान्वयन से संबंधित सभी तकनीकी प्रक्रियाओं की देखरेख कंप्यूटर सेंटर द्वारा की जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा अतिरिक्त गूगल वर्कस्पेस लाइसेंस एवं क्लाउड स्टोरेज की व्यवस्था भी की गयी है। प्रो.राजेश कुमार के अनुसार ,इस व्यवस्था के अंतर्गत अब सभी विद्यार्थियों को ु४ृल्ल डोमेन पर ई-मेल अकाउंट प्रदान किए जाएंगे। अब तक विश्वविद्यालय डोमेन ई-मेल आईडी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा पीएचडी शोधार्थियों को अनुरोध के आधार पर जारी की जाती थी। अब यह सुविधा औपचारिक रूप से सभी विद्यार्थियों को दी जा रही है, जिससे लगभग 18,000 से 20,000 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। यह पहल आधिकारिक ई-मेल आईडी के माध्यम से संवाद को प्रोत्साहित करने की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों का हिस्सा है, जिससे संवाद अधिक सुचारु, प्रामाणिक एवं सुरक्षित होगा।

जाति जनगणना रोकने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की, याचिकाकर्ता को फटकार

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने 2027 में होने वाली जाति जनगणना पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता को इस बात के लिए फटकार लगाई कि उसकी याचिका की भाषा बदतमीजी से भरी हुई थी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता से कहा कि ये बदतमीजी की भाषा कहां से लेकर आते हैं आपलोग। कैसे लिखते हैं अपलोड पिटीशन। याचिका में जाति जनगणना 2027 पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा गया था कि आबादी के मुताबिक संसाधन का जिम्मेदारीपूर्वक बंटवारा हो। याचिका में कहा गया था कि एक बच्चे वाले परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराने का दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।
उच्चतम न्यायालय ने 2 फरवरी को भी जाति जनगणना के तरीके, उसके वर्गीकरण और सत्यापन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। साल 2027 की जनगणना देश की 16वीं राष्ट्रीय जनगणना होगी। यह 1931 के बाद पहली बार है, जब व्यापक स्तर पर जाति आधारित गणना होगी।

मुंबई एयरपोर्ट पर 37.74 करोड़ रुपये का सोना जब्त, 24 विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 37.74 करोड़ रुपये का 29.37 किलोग्राम सोना जब्त किया है। इस मामले में 24 विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है।

इस मामले की छानबीन कर रहे अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि केनिया के नैरोबी से विदेशी महिलाओं का ग्रुप सोने सहित मुंबई एयरपोर्ट पर आने की गोपनीय जानकारी मुंबई डीआरआई टीम को मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 'ऑपरेशन धहाबू ब्लिट्ज' चलाया। इसी ऑपरेशन के तहत नैरोबी से मुंबई एयरपोर्ट पर उतरीं 24 विदेशी नागरिकों को रोका गया। इसके बाद इन महिलाओं ने डीआरआई की कार्रवाई का विरोध किया, जिससे डीआरआई की टीम ने एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षारक्षकों को बुलाया और महिलाओं के बैग और कपड़ों की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान इन महिलाओं के सामान से 25.1 किलोग्राम सोने की छड़ें और 4.27 किलोग्राम सोने के गहने बरामद किए गए। इन महिलाओं को सोना छिपाने और जांच से बचने के लिए खास ट्रेनिंग दी गई थी। इन महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है और इस गिरोह से जुड़े अन्य तस्करों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

नेपाल: राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल शुक्रवार दोपहर 3 बजे देश के संघीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने वाले हैं। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से संसद सचिवालय को पत्र भेजकर इस संबोधन के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रपति भवन के सचिव महादेव पन्थ द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में उल्लेख किया गया है कि यह संबोधन मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर दिया जाएगा। संयुक्त बैठक में प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा-दोनों सदनों के सदस्य शामिल होंगे। नेपाल के संविधान की धारा 95 में राष्ट्रपति के संबोधन संबंधी प्रावधान किया गया है। इस धारा में ह्यराष्ट्रपति द्वारा संबोधनह्ल शीर्षक के तहत लिखा है, ह्यराष्ट्रपति संघीय संसद के किसी एक सदन की बैठक या दोनों

सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर सकते हैं और इसके लिए सदस्यों की उपस्थिति आह्वान कर सकते हैं। संसद सचिवालय ने बताया कि आज रात से ही संघीय संसद के दोनों सदनों के चालू अधिवेशन को समाप्त करने की तैयारी है। उपसभामुख के चयन के बाद संसद के दोनों सदनों का अधिवेशन समाप्त किया जाएगा। सरकार ने संसद के शीतकालीन अधिवेशन को समाप्त कर बजट अधिवेशन की तैयारी शुरू कर दी है।

राजस्थान में गर्मी ने पकड़ी रफ्तार, पारा 40 डिग्री पार होने के आसार

जयपुर : राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर थमते ही अब गर्मी ने दोबारा जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। गुरुवार को जयपुर, अलवर, उदयपुर, बाड़मेर, पिलानी और कोटा सहित कई शहरों में तेज धूप के कारण तापमान में बढ़ोतरी हुई। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के अनुसार राज्य में आगामी दिनों में गर्मी और तेज होने के संकेत हैं। अगले दो सप्ताह के दौरान तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है, जिससे कुछ शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तक पहुंच सकता है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा और दिनभर तेज धूप निकली। अधिकतम तापमान बाड़मेर में 37.5 डिग्री सेल्सियस मापा गया, जो इस समय प्रदेश में सबसे अधिक रहा। हालांकि, अभी भी कई शहरों में तापमान सामान्य से दो से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है, जिससे लोगों को आंशिक राहत मिल रही है। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 5.5 डिग्री कम रहा।

मध्य प्रदेश में आज शुरू होगा नारी शक्ति वंदन का उत्सव

- 25 अप्रैल तक आयोजित इस उत्सव में ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियम से रूबरू होंगे आम नागरिक

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में राज्य शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए आज शुक्रवार से प्रदेशव्यापी ₹नारी शक्ति वंदन₹ उत्सव मनाया जाएगा। आगामी 25 अप्रैल तक आयोजित इस उत्सव में आम नागरिकों को ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियम की जानकारी दी जाएगी। जनसम्पर्क अधिकारी बिंदु सुनील ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य ₹नारी शक्ति वंदन अधिनियम₹ के प्रावधानों से आम जनता को अवगत कराना और महिला नेतृत्व का उत्सव मनाना है। राज्य शासन द्वारा जन-उत्सव के रूप में आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं।

संभागों में बड़े सम्मेलन

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, अभियान का शंखनाद राजधानी भोपाल के रविन्द्र भवन

स्थित हंसध्वनि सभागार में होगा, जहाँ प्रबुद्धजनों का एक राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालयों और छिंदवाड़ा, खरगोन एवं मंदसौर जिला मुख्यालयों पर भव्य नारी शक्ति वंदन₹ सम्मेलन आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में महिला सांसदों, विधायकों, महापौर और पंचायत प्रतिनिधियों सहित सफल महिला उद्यमियों को सम्मानित कर उनके अनुभवों को साझा किया जाएगा।

पदयात्रा और युवा शक्ति का जुड़ाव

उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रत्येक लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र में ₹नारी शक्ति पदयात्रा₹ निकाली जाएगी, जिसमें समाज की प्रबुद्ध महिलाएँ सहभागिता करेंगी। युवाओं को इस अभियान से जोड़ने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विशेष 'नारी शक्ति वंदन दीवार' (हं'' ङ्घा टी२ऱी) तैयार की जाएगी, जहाँ युवा पीढ़ी पेंटिंग और संदेशों के माध्यम से नारी शक्ति के प्रति अपने विचार व्यक्त करेंगी। पखवाड़े का एक महत्वपूर्ण पड़ाव 14 अप्रैल डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती होगा। इस दिन प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जाएंगी। बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

शुरूआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बने तनाव के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चल रही कोशिश का असर घरेलू शेयर बाजार में भी नजर आ रहा है। इस कोशिश की वजह से आज शुरूआती कारोबार के दौरान बाजार में मजबूती का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। हालांकि अभी तक के कारोबार में लिवालों का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.94 प्रतिशत और निफ्टी 0.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। आज सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, जियो फाइनेंशियल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 2.78 प्रतिशत से लेकर 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, सन फार्मास्युटिकल्स, इंफोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 2.94 प्रतिशत से लेकर 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,693 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,441 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 252 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर छह शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और नौ शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 489.36 अंक यानी 77,121.01 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 77,360.51 अंक के स्तर तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 76,851.16 अंक के स्तर तक गोता भी लगाया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 717.33 अंक की उछाल के साथ 77,348.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 105.45 अंक उछल कर 23,880.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 23,998.25 अंक के स्तर तक आ गया। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर यह सूचकांक 23,856.35 अंक के स्तर तक गिर भी गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 219.40 अंक की तेजी के साथ 23,994.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 931.25 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,631.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 222.25 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,775.10 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

असमः एचएसएलसी परीक्षा में 65.62 प्रतिशत उत्तीर्ण, ज्योतिर्मय दास रहा टॉपर

गुवाहाटी : असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शुक्रवार को (एचएसएलसी) परीक्षा 2026 के नतीजे घोषित कर दिए, जिसमें कुल 65.62 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण रहे। परीक्षा में शामिल हुए 4,29,249 छात्रों में से 2,81,701 छात्र सफलतापूर्वक पास हुए। ये परीक्षाएं 10 से 27 फरवरी तक आयोजित की गई थीं, जबकि नतीजे 10 अप्रैल को घोषित किए गए। कुल 4,38,564 विद्यार्थियों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन किया था, जिनमें से 9,315 अनुपस्थित रहे और 135 को परीक्षा प्रक्रिया के दौरान निष्कासित कर दिया गया। पांच नतीजे रोक दिए गए हैं। परीक्षा में शामिल होने वालों में 1,86,468 छात्र और 2,42,781 छात्राएं थीं। प्रदर्शन के मामले में, छात्रों का पास प्रतिशत 67.78 रहा, जबकि छात्राओं का पास प्रतिशत 63.96 रहा। डिवीजन वार आंकड़ों के अनुसार, 85,189 छात्रों ने प्रथम श्रेणी हासिल की, जिनमें से 3,983 ने डिस्टिंक्शन और 13,681 ने स्टार मार्क हासिल किए। कुल 1,50,167 उम्मीदवार द्वितीय श्रेणी में पास हुए, जबकि 46,345 ने तृतीय श्रेणी हासिल की। विभिन्न विषयों में 99,062 उम्मीदवारों ने लेटर मार्क हासिल किए। डिमा हसाओ 88.23 पास प्रतिशत के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला जिला बनकर उभरा, जिसके बाद शिवसागर 84.08 प्रतिशत और डिब्रूगढ़ 78.46 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। कछार जिले का पास प्रतिशत सबसे कम 49.13 प्रतिशत रहा। श्रेणी-वार आंकड़ों के अनुसार, एसटी (पी) उम्मीदवारों का पास प्रतिशत सबसे अधिक 73.65 प्रतिशत रहा, जिसके बाद ओबीसी (71.65 प्रतिशत) और एमओबीसी (70.94 प्रतिशत) रहा। चाय जनजाति (टी ट्राइब) के उम्मीदवारों का पास प्रतिशत सबसे कम 50.51 प्रतिशत रहा। मेरिट लिस्ट में, बजाली ज़िले के पटाचारकुची स्थित शंकरदेव शिशु निकेतन के ज्योतिर्मय दास ने पहला स्थान हासिल किया। बिस्वनाथ जिले के अंबिकागिरी राय चौधरी जातीय विद्यालय की आकांक्षा भुइयां, डिब्रूगढ़ जिले के लिटिल फ्लावर एचएस स्कूल की जिया फराह इस्लाम और नलबाड़ी के लिटिल फ्लावर्स स्कूल के सुरजीत अख्तर शीर्ष चार रैंक धारकों में शामिल हैं। इन नतीजों की घोषणा असम भर के लाखों छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संसाधन दिवस पर की जल के संरक्षण और संवर्धन की अपील

भोपाल : आज शुक्रवार को जल संसाधन दिवस है। इस अवसर पर मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नागरिकों को जल की महत्ता बताते हुए इसके संरक्षण और संवर्धन की अपील को दोहराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अपने संदेश में लिखा- जल ही जीवन है... जल केवल जीवन का आधार ही नहीं, बल्कि सृष्टि का सार भी है। हर बूंद में भविष्य की सुरक्षा और समृद्धि का संदेश निहित है। आइए, जल संसाधन दिवस के अवसर पर हम संकल्प लें कि जल के संरक्षण, संवर्धन और संतुलित उपयोग के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत में 10 अप्रैल को 'जल संसाधन दिवस' मनाया जाता है, जो प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण, जल की बबार्दी को रोकने और स्वच्छ जल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत रत्न' मोरारजी देसाई की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल : महान स्वतंत्रता संग्रामी सेनानी और भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई की आज (शुक्रवार को) पुण्यतिथि है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस अवसर पर उनका पुण्य स्मरण करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा -पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' श्रद्धेय मोरारजी देसाई जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। सत्यनिष्ठा, सादगी और राष्ट्र के प्रति आपका अटूट समर्पण सदैव हमें जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता रहेगा।बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का 10 अप्रैल 1995 को मुंबई में निधन हो गया था। मोरारजी देसाई भारत के चौथे प्रधानमंत्री थे। खास बात यह है कि वह देश के पहले गैर-कांग्रेसी नेता थे जो प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे।

वाराणसी में पुलिस आयुक्त ने एक निरीक्षक, ग्यारह उपनिरीक्षकों को किया निलंबित

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने गुरुवार की रात्रि में विभिन्न थानों कैण्ट, शिवपुर व लालपुर -पाण्डेयपुर के समस्त उपनिरीक्षकों के कार्य-प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए एक निरीक्षक, ग्यारह उपनिरीक्षकों को निलम्बित कर दिया। निलम्बित हुए निरीक्षक और उप निरीक्षकों में थाना कैण्ट के निरीक्षक संतोष पासवान, उप निरीक्षक आशीष श्रीवास्तव, उप निरीक्षक भैरव श्रीवास्तव,उप निरीक्षक मुन्ना यादव, उप निरीक्षक जमुना प्रसाद तिवारी, उप निरीक्षक प्रवेश कुन्तल, थाना शिवपुर के उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, उप निरीक्षक कोमल यादव, उप निरीक्षक आशीष कुमार सिंह, थाना लालपुर -पाण्डेयपुर से उप निरीक्षक प्रमोद कुमार गुप्ता, उप निरीक्षक कोमल कुमार गुप्ता, उप निरीक्षक विजेन्द्र सिंह को खराब प्रदर्शन के कारण निलम्बित कर दिया। बता दें कि वाराणसी कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने लम्बित विवेचना, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य संकलन, बीडब्लू, एनबी डबलू का तामीला एवं गिरफ्तारी, बिना नंबर गाड़ियों की सीज की कार्यवाही, विपरीत दिशा में चलने वाले वाहनों की समीक्षा किया। निलम्बित सभी उपनिरीक्षकों पर विवेचना 60 दिनों से भी अधिक अवधि तक लम्बित पाई गई। शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण भी संतोषजनक नहीं पाया गया। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त अपराध आलोक प्रियदर्शी, पुलिस उपायुक्त वरूणा जोन प्रमोद कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त नीतू, सहायक पुलिस आयुक्त कैण्ट अपूर्व पाण्डेय सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने 12 मानचित्रकों को बांटे नियुक्ति पत्र,पारदर्शी भर्ती और कृषि सशक्तिकरण पर जोर

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के अंतर्गत मानचित्रक के पद पर चयनित 12 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति राज्य की कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के बाद प्रदेश में अब तक 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जा चुकी है, जो सरकार की युवाओं के प्रति प्रतिबद्धता और सुशासन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के साथ ही मिलेट के उत्पादन और विपणन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

बोकारो डीएवी की बस दुर्घटनाग्रस्त, 12 बच्चे घायल, 4 गंभीर

बोकारो : जिले के चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के भण्डारीदह डीएवी पब्लिक स्कूल बस स्कूल से लौटते वक्त राजाबेड़ा रेलवे पुल के तीखी मोड पर बस और ट्रक के बीच सड़क दुर्घटना हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्कूल बस में सवार एक दर्जन स्कूली बच्चे घायल हो गए। घायल बच्चों को इलाज के चंद्रपुर डीवीसी अस्पताल लाया गया। वहीं चार बच्चों की हालत गम्भीर जिन्हें इलाज के बोकारो जनरल अस्पताल भेज दिया गया। बोकारो बेरमो एसडीओ मुकेश मछुआ ने बताया कि घायल सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं। एसडीओ मछुआ ने बताया कि डीएवी पब्लिक स्कूल की बस भण्डारीदह डीएवी स्कूल से छुट्टी होने के बाद स्कूली छात्रों को लेकर भण्डारीदह से तेलो गांव तक के बच्चे जा रहे थे, जिसमें चन्द्रपुरा एवं तेलो के बच्चे सवार थे। राजाबेड़ा रेलवे पुल के नीचे तीखी मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रही एक सीमेंट के खाली ट्रक से बस द हो गयी। बताया गया कि बस में सवार क्लास 8 से क्लास 12 तक के छात्र थे।

सात अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद

हजारीबाग : जिले की पुलिस ने बड़कागांव क्षेत्र में हुई ज्वेलरी दुकान लूटकांड का सफल उछ्वेदन करते हुए 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। घटना को अंजाम देने वाले और मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने वाला शामिल है।

गिरफ्तार अपराधियों में विनोद कुमार भुईयां, प्रिंस यादव, तेजु कुमार भोक्ता, साकिन्दर कुमार गंझु, रामधनी ठठेरा, संदीप कुमार सोनी और विशाल शांताराम शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से हथियार, जिंदा गोलियां, मोबाइल और अपाची मोटरसाइकिल बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर टीपी-05 के पास छापेमारी कर तीन संदिग्धों को मौके से पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने नंदनी ज्वेलर्स लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। जांच में सामने आया कि इस घटना की साजिश पहले से रची गई थी और रेकी कर लूट को अंजाम दिया गया था।

लूटे गए जेवरों को पिघलाकर दूसरे राज्यों में बेचने की बात भी सामने आई है। छापामारी दल में पवन कुमार (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव), दीपक कुमार (थाना प्रभारी), राकेश खावास, आशिष कुमार भगत, छोटु उराँव तथा बड़कागांव थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

नव कुंडीय महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा

जमशेदपुर : ह्यूम पाइप दुर्गा पूजा मैदान में भव्य कलश यात्रा के साथ नव कुंडीय महायज्ञ का शुभारंभ श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने ह्यूम पाइप दुर्गा पूजा मैदान से स्वर्णरेखा बर्निंग घाट तक दिव्य यात्रा निकाली। इसमें हजारों महिला और पुरुष शामिल हुए। श्रद्धालुओं की पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं को प्रवचन में आध्यात्मिक अनुभूति हुई।। महायज्ञ को सफल बनाने में लक्ष्मण भगत, ओम प्रकाश पांडेय, रमेश विश्वकर्मा, पिंटू मिश्रा व धीरज मिश्रा समेत बस्तीवासियों ने योगदान दिया।

इंजन पर पत्थर फेंकने वाला गिरफ्तार

जमशेदपुर : आदित्यपुर के आरपीएफ जवानों ने इंजन पर पत्थर फेंकने के आरोपी करण पात्रो रायडीह बस्ती को पकड़कर जेल भेज दिया। बताया जाता है कि, दो महीने पूर्व आरोपी ने गम्हरिया के पास ट्रेन के इंजन पर पत्थर फेंका था। स्टोन प्लेटिंग का केस दर्ज कर आरपीएफ आरोपी की तलाश में जुटी थी। ग्रामीणों की सूचना पर आरोपी बुधवार को आरपीएफ के हत्थे चढ़ गया। इससे पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेजा गया है। मालूम हो कि, ट्रेनों पर पत्थरबाजी रोकने के लिए आरपीएफ गांवों में जागरूकता अभियान चलाती है।

ट्रेनों की लेटलतीफी पर नहीं लगा अंकुश

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन समेत चक्रधरपुर रेल मंडल में ट्रेनों की लेटलतीफी कम नहीं हो रही। विशेषकर चक्रधरपुर से टाटानगर के बीच ट्रेनें ज्यादा लेट होती है। शुक्रवार को मुंबई हावड़ा मेल 2.54 घंटे लेट, कुर्ला शालीमार एक्सप्रेस 2.20 घंटे लेट, मुंबई हावड़ा गीतांजलि एक्सप्रेस दो घंटे लेट, अहमदाबाद हावड़ा एक्सप्रेस 1.37 घंटे लेट से टाटानगर आई जबकि, हावड़ा, ओडिशा और बिहार मार्ग से भी ट्रेनें लेट से टाटानगर पहुंची है।

जुगसलाई की समस्याओं का समाधान करे नगर परिषद : नौशीन

जमशेदपुर : जुगसलाई नगर परिषद की अध्यक्ष नौशीन खान ने गुरुवार को नगर परिषद के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने जमीनी स्तर पर मौजूद समस्याओं का तत्काल समाधान करने और प्राथमिकता के आधार पर नागरिक सुविधा में कार्रवाई का निर्देश दिया। अध्यक्ष और कार्यपालक पदाधिकारी संदीप कुमार पासवान के बीच विकास कार्यों को लोगों की जरूरत के अनुसार चिह्नित कर शुरू करने पर विमर्श हुआ। अध्यक्ष ने कार्यो को प्रभावी ढंग से संपन्न करने की जरूरत बताई। उन्होंने जुगसलाई को स्वच्छ, सुव्यवस्थित, संगठित और विकसित बनाने के उद्देश्य से सफाई, पानी सप्लाई और सड़कों की स्थिति सुधारने पर जोर दिया। कार्यपालक पदाधिकारी ने निर्धारित योजनाओं पर जल्द काम शुरू करने का आश्वासन दिया।

झारखंड आंदोलनकारियों को जिला में समारोह कर प्रशस्ति पत्र देने का आग्रह

जमशेदपुर : झारखंड आंदोलनकारियों का प्रतिनिधिमंडल झामुमो के वरिष्ठ नेता सह केंद्रीय सदस्य प्रमोद लाल एवं शेख बदरुद्दीन के नेतृत्व में पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से मंगलवार को मिला। प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलनकारियों को प्रखंड कार्यालयों में दिए जा रहे सम्मान सह प्रशस्ति पत्रों पर आपत्ति जताई और उसे जिला उपायुक्त द्वारा एक सम्मान समारोह आयोजित कर दिये जाने का आग्रह किया। जिस पर उपायुक्त ने भी सहमति जताई और जल्द ही इस संबंध में सकारात्मक पहल करने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में सरोज महापात्र, फैयाज खान, अभय पाण्डेय, हरदेव सिंह, इंदरपाल सिंह भाटिया, डी राकेश राव, झरना पाल, नीता सरकार, सुखलाल टुडू, आर श्रीनिवास राव, उमेश गिरी, अवतार सिंह, हरभजन सिंह समेत काफी संख्या में आंदोलनकारी एवं झामुमो कार्यकर्ता शामिल थे।

बदबूदार पानी की आपूर्ति किए जाने के खिलाफ मोर्चा खोला

संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार ने टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति किए जाने के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस संबंध में उन्होंने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को एक शिकायती पत्र सौंपकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। डॉ. कुमार ने पत्र के माध्यम से प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करते हुए बताया कि कंपनी कमांड एरिया के कदमा स्थित भाटिया बस्ती, उलियान, रामजन्म नगर और शास्त्रीनगर जैसे इलाकों में पिछले 20-25 दिनों से मटमैले और दुर्गंधयुक्त पानी की सप्लाई हो रही है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि कई उपभोक्ताओं ने पानी के साथ कीड़े आने की भी सूचना दी है, जो स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बेहद खतरनाक है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि इस पानी को 24 घंटे के लिए किसी बर्तन में जमा करके रखा जाए, तो उसकी तली में गंदगी की मोटी परत साफ देखी जा सकती है। डॉ. उमेश कुमार ने हैरानी जताते हुए कहा कि जिस कंपनी की टेस्टिंग लैब को आईएसओ-आईईसी 17025 का प्रमाणपत्र प्राप्त है, उसके द्वारा इस तरह की लापरवाही बरतना समझ से परे है क्षेत्र के निवासियों का कहना है कि वे कंपनी के शिकायत विभाग में बार-बार अपनी समस्या दर्ज कराकर थक चुके हैं, लेकिन अब तक पानी की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं किया गया है। अंततः थक-हारकर अभिभावक संघ ने उपायुक्त से गुहार लगाई है कि वे कंपनी को पानी की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए कड़े आदेश दें, ताकि शहरवासियों को गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाया जा सके।

विजय कुमार हांसदा के बेहतर कार्यो से नगर परिषद का हो रहा है विकास

ज्योति पाठक

1918 में स्थापित चक्रधरपुर नगर परिषद वर्तमान समय में अपने विकास कार्यों के फल स्वरुप बेहतर कार्य प्रणाली से चक्रधरपुर नगर परिषद का स्वरूप और विकास दोनों दिखने लगा है वर्तमान समय में चक्रधरपुर नगर परिषद के युवा अध्यक्ष सनी उरांव एवं उपाध्यक्ष विजय साव के निर्वाचित होने के पश्चात चक्रधरपुर नगर परिषद के प्रशासक विजय कुमार हासदा की दूरदर्शिता और बेहतर कार्य प्रणाली भी चक्रधरपुर नगर परिषद को व्यापक रूप से विकास गति दे रही है और इसी का यह सार्थक परिणाम है कि चक्रधरपुर नगर परिषद विकास मार्ग पर तेजी के साथ चल पड़ा है सफाई कार्य प्रकाश की समुचित व्यवस्था नाली सड़क और अन्य विकास कार्यों को भी बेहतर और व्यापकरूप देने के लिए कारगर प्रयास जारी है जो निश्चित तौर पर प्रशासक श्री हांसदा के बेहतर और उत्कृष्ट कार्य का सूचक माना जा रहा है सफाई व्यवस्था सुधार करने के साथ-साथ जन समस्याओं का निराकरण कर्मचारियों के साथ बेहतर संबंध में प्रशासक श्री हादसा के सशक्त पहचान है इसी के फल स्वरुप नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने भी चक्रधरपुर नगर परिषद के बेहतर कार्यों को सराहा है इन उपलब्धियां का श्रेय निश्चित तौर पर नगर प्रशासक श्री हांसदा को जाता है।

गजना महोत्सव के दूसरे दिन रंगारंग प्रस्तुतियों की धूम, गीत-नृत्य पर झूम उठा पूरा पंडाल

संवाददाता

हुसैनाबाद : कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन औरंगाबाद के संयुक्त तत्वावधान में पोल्डीह गांव के निकट स्थित गजना माता धाम मंदिर प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय गजना महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि देर रात तक दर्शक झूमते रहे। गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से पूरा परिसर उत्सवमय वातावरण में डूब गया।कार्यक्रम की शुरूआत बिहार गीत से हुई, जिसने माहौल को सांस्कृतिक रंग में रंग दिया। इसके बाद स्थानीय और बाहरी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी गीत, संगीत और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

मंच पर नंदनी कुमारी, सौरव सम्राट, हैप्पी कुमारी, रवि कुमार, सविता देवी, सुजीत कुमार, निरंजन विद्यार्थी, सूरज कुमार, प्रवीण सिंह, आकाश तिवारी, अंतरा घोष, भूमि राजस्व कुमारी, आसी कुमारी, सौम्या श्री, अनामिका घोष, रिया सिंह, सनोज सागर, हर्ष देव और सृष्टि लक्ष्मी सहित कई कलाकारों ने प्रस्तुति दी। खासकर अनामिका घोष, रिया सिंह और सौम्या श्री के नृत्य कार्यक्रमों पर दर्शक झूम उठे और पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन गजना धाम के महंत अवध बिहारी दास, नवीनगर विधायक चेतन आनंद, डॉ. आयुषी सिंह तोमर, समाजसेवी पूर्व मुखिया लाल गोविंद सिंह, उप प्रमुख लव कुमार सिंह, कला संस्कृति विभाग के जिला पदाधिकारी पप्पू कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण सिंह, कांग्रेस नेता श्याम बिहारी सिंह, भृगुनाथ सिंह, पूर्व मुखिया अभय कुमार उर्फ टूना सिंह और मुखिया जयप्रकाश सिंह सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सुनील बोस, धनंजय कुमार सिंह, चुनू सिंह, राजेश सिंह समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। महोत्सव के सफल आयोजन से पूरे क्षेत्र में सांस्कृतिक उत्साह का माहौल देखने को मिला।

मैं हूं ना...

अपने होने का प्रमाण पत्र स्वयं देना पड़े तो उम्र के अंतिम पड़ाव में पहुंच चुकी इस वृद्ध महिला को प्रखंड अंचल कार्यालय में देखकर काफी द्रवित हो उठे। चलने में असमर्थ वृद्ध महिला को किसी प्रकार से उसके परिजन कार्यालय तक लाए किंतु विडंबना देखिए लाइफ सर्टिफिकेट अर्थात जीवित होने का प्रमाण देने के लिए उसे लाया गया था किंतु इस दौरान प्रखंड में इस दृश्य को देखकर लोग मर्माहत दिखे।

आवश्यकता आधारित शिक्षकों के भविष्य को लेकर शिक्षक संघ ने सरकार से लगाई गुहार

जमशेदपुर : झारखंड राज्य विश्वविद्यालय संविदा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में जेपीएससी द्वारा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के नियमित और बैकलॉग पदों के लिए शुरू की गई बहाली प्रक्रिया अब तक अधूरी है। डॉ. पाण्डेय के अनुसार, नियुक्ति प्रक्रिया का इतने लंबे समय तक खींचना आयोग की निष्क्रियता को दर्शाता है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और जेपीएससी से संवाद कर शेष बचे विषयों पर नियुक्ति की प्रक्रिया को जल्द से जल्द संपन्न कराएं।इसके

साथ ही डॉ. पाण्डेय ने सरकार के समक्ष आवश्यकता आधारित शिक्षकों के नियमितीकरण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने तर्क दिया कि 2018 से ही विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के स्वीकृत पदों पर कार्यरत ये शिक्षक यूजीसी द्वारा निर्धारित सभी शैक्षणिक योग्यताओं को पूरा करते हैं और पिछले 8 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन अनुभवी शिक्षकों की सेवा को नियमित करने से न केवल छात्रों को बेहतर शिक्षा मिलेगी, बल्कि शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे उच्च शिक्षण संस्थानों को भी बड़ी राहत मिलेगी।नयी बहाली प्रक्रिया के संदर्भ में भी संघ ने अपनी मांग स्पष्ट की है। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि सरकार ने वर्तमान में 2400 शिक्षकों की बहाली के लिए जो अधियाचन जेपीएससी को भेजा है, उसमें एक विशेष प्रावधान किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पहले से कार्यरत लगभग 600 आवश्यकता आधारित शिक्षकों के पदों को इस नई बहाली प्रक्रिया से अलग रखा जाए।

कदमा में वाहन जांच में वाहन चोर गिरफ्तार, तीन बाइक बरामद

जमशेदपुर : कदमा-सोनारी लिंक रोड स्थित गोलचक्कर के पास नियमित वाहन जांच के दौरान पुलिस ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की तीन बाइक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कदमा भाटिया बस्ती रोड नंबर-25 निवासी सोनू करुवा उर्फ लोलो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सोमवार देर शाम सघन जांच के दौरान आरोपी संदिग्ध मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया। जब पुलिस ने उससे वाहन के कागजात की मांग की तो संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद पुलिस ने जब मोटरसाइकिल जांच की तो उसपर फर्जी नंबर प्लेट पाया गया। साथ ही वाहन के दस्तावेज भी संदिग्ध और फर्जी पाए गए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने वाहन चोरी के कई मामलों में संलिप्तता स्वीकार की। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर दो अन्य मोटरसाइकिलें भी बरामद कीं। इस तरह कुल तीन बाइक जब्त की गई। पुलिस अब बरामद वाहनों के असली मालिकों का पता लगाने में जुटी है।

हंटरगंज के आवासीय बालिका विद्यालय में नाबालिग छात्रा मिली गर्भवती

छात्रा ने प्रधानाध्यापक पर लगाया आरोप, भेजे गए जेल

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित एक आवासीय बालिका विद्यालय से गुरुवार की देर शाम एक बेहद दर्दनाक और चिंताजनक मामला सामने आया।आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत तीसरी क्लास की 14 वर्षीय छात्रा मेडिकल जांच में गर्भवती पाई गई। घटना सामने आते ही विद्यालय परिसर से लेकर पूरे प्रखंड में दहशत और आक्रोश फैल गया है। आक्रोशित परिजनो और ग्रामीणों ने आवासीय विद्यालय का घेराव कर लिया। घेराव और हंगामे की सूचना पर थाना प्रभारी प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने आवासीय विद्यालय पहुंच कर स्थिति नियंत्रण में किया। मामला तब सामने आया जब पीड़िता बुधवार को हॉस्टल से घर पहुंची। परिजनो को छात्रा की शारीरिक स्थिति देखकर संदेह हुआ तो उन्होंने चिकित्सीय जांच करवाई,तब जाकर मामला खुला। पीड़ित छात्रा ने परिजनो को प्रधानाध्यापक द्वारा शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया। थाना प्रभारी प्रभात कुमार

ने बताया कि पीड़िता के बयान के प्रारंभिक आधार पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक शंकर प्रसाद सिंहा (50 वर्ष) के खिलाफ हंटरगंज कांड संख्या 47/26 के तहत पॉक्सो,हरिजन एक्ट और बलात्कार का मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया है। कहा कि आरोपों की सत्यता की जांच के लिए न्यायालय के आदेश पर डीएनए जांच भी करवाई जाएगी। वहीं दूसरी ओर इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसी कीर्तिश्री जी ने तत्काल संज्ञान लिया और घटना की गहन जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। आरोपी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर छात्रा का बयान दर्ज करने के लिए जिला अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, एसडीएम मोहम्मद जहूर आलम, एसडीपीओ संदीप सुमन और सीडब्ल्यूसी की महिला सदस्य मौजूद थे।